राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2265
वरुण काण्ड
प्रथम खण्ड
अनुपम
Vinod
Nagendra

पात्र-परिचय

नागराज : कलियुग का मर्यादा पुरुषोत्तम

देव कालजयी के वरदान और उनके महाविष के साथ चेतना शून्य जन्मा था नागराज। उसके चाचा नागपाशा ने सत्ता के लालचवश उसके माता-पिता का कत्ल कर दिया। नागराज का जिस्म चालीस वर्षों तक इसी अवस्था में रहा। इतने वर्षों में देव कालयजी के विष के आदि होने पर चेतना में लौटा नागराज। तब राज तिलिस्माचार्य नेत्रहीन वेदाचार्य और उनकी पोती की सहायता से नागराज ने नागपाशा से अपना खजाना प्राप्त किया। उसी खजाने से महानगर में नींव पड़ी भारती कम्यूनिकेशंस की। जिसे नागराज भारती के सहयोग से कम्पनी का पी.आर.ओ. बनकर राज के छद्म रूप में चलाता है।

विसर्पी : नागशक्तियों की रानी और एक निर्णायक शक्ति!

आज विसर्पी इच्छाधारी नागों के गुप्त द्वीप नागद्वीप की रानी है। मां का तो पता ही नहीं की वह कौन थी। पर पिता थे नागद्वीप सम्राट मणिराज जो अपने उस पुत्र के वियोग में चल बसे जिसका शहर में कत्ल कर दिया गया। नागराज ने उस कत्ल का बदला लिया और ऐसे सामना हुआ नागराज और विसर्पी का। कई बार नागराज और विसर्पी का रिश्ता विवाह तक पहुंचा, परंतु परिस्थितियों ने हर बार रिश्ते की डोर को तोड़ दिया। पर प्यार की डोर कोई न तोड़ पाया और तब आई दूसरे आयाम की पृथ्वी पर रहने वाली नागरानी। जिसको अपनी पृथ्वी को बचाने के लिए चाहिए था नागराज का प्रलयंकारी विष और नागराज ने दिव्य रूप में नागरानी के गर्भ में प्रतिस्थापित किया अपना पुत्र। गर्भवती नागरानी तो अपने आयाम में वापस चली गई पर छोड़ गई विसर्पी के दिल में एक कभी न भरने वाली दरार क्योंकि विसर्पी चाहती थी नागराज के पहले पुत्र की मां होने का दर्जा। अब विसर्पी के दिल में प्रेम तो है पर नागराज को पाने की चाहत नहीं।

नागपाशा

पाप का साक्षात रूप और कलियुग का रावण!

नागराज का चाचा जिसने उसके खजाने को पाने के लिए नागराज के माता-पिता, अपने सगे भाई-भाभी की हत्या कर दी, किंतु फिर भी वह खजाना नहीं प्राप्त कर सका। देव कालजयी के अमृत के कारण नागपाशा अमर है। अपने गुरुदेव के साथ वह पाप और शैतानियत के नए-नए षड्यंत्र रचता रहता है।

सुपर कमांडो ध्रुव : बुद्धिबल का महारथी

सर्कस में जन्म हुआ सुपर कमाण्डो ध्रुव का। कुशल दिग्गजों के बीच बड़े होते ध्रुव ने कई कलाओं के मर्म सिखे। सर्कस के पशु-पक्षी उसके मित्र बने जिनकी भाषा वह धाराप्रवाह बोलना सीख गया। प्रतिद्वंद्वी सर्कस की इर्ष्या ने ध्रुव के इस संसार के साथ उसके माता-पिता को एक भीषण अग्नि से स्वाहा कर डाला। ध्रुव बन गया अपराध विनाशक। उसे मिले नए माता-पिता पुलिस कमिश्नर राजन, ममतामयी मां रजनी और चुलबुली बहन श्वेता। ध्रुव जब महाखलनायक ग्रेंड मास्टर रोबो से टकराया तो उसकी मुलाकात हुई खूंखार रोबो की बेटी नताशा से। नताशा ने ध्रुव के आकर्षण में अपराध की दुनिया छोड़ दी। नताशा ध्रुव को प्यार करती है। ध्रुव को प्यार भूतपूर्व चोर ब्लैक कैट उर्फ रिचा भी करती है पर वह अपने प्यार का इजहार ध्रुव पर नहीं कर सकती क्योंकि वह एक अनजानी बिमारी से ग्रस्त है जो न जाने कब उसके प्राण ले ले।

नताशा

बचपन में ही पिता खूंखार आतंकवादी ग्रेंड मास्टर रोबो के क्रूर हाथों ने इस मासूम को मां की शीतल छांव से अलग कर दिया और रोबो के खूंखार कमांडरों ने रोबो के आदेश पर नाताशा को गहन ट्रेनिंग दी और फिर किशोरावस्था की दहलीज पर कदम रखते ही नताशा बना दी गई रोबो फोर्स की कमांडर। वह खूंखार कमांडर जिसके आदेश की अवहेलना रोबो तक नहीं कर सकता था। फिर इसके जीवन में आई ध्रुव नाम की आंधी और नताशा को पहली बार एक लड़की होने का एहसास हुआ। ध्रुव का आकर्षण उसको जुर्म की दुनिया से दूर सभ्य समाज में ले आया।

बाबा गोरखनाथ

आज भी पवित्र शक्तियां इस पृथ्वी पर कायम हैं तो सिर्फ इस कारण कि उनको सम्भालने वाले हैं चमत्कारी शक्तियों के धारक महासाधक बाबा गोरखनाथ। नागराज को सही राह पर लाने वाले बाबा गोरखनाथ आज भी नागराज पर उतना ही विश्वास रखते हैं जितना कि अपनी शक्तियों पर।

प्रथम अध्याय:
पाप का बीज

संजय गुप्ता की पेशकश
कथाः अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा
चित्रः अनुपम सिन्हा
इफेक्ट्सः नगेन्द्र, विश्वजया, शशांक, अनवर
इंकिंगः विनोद कुमार
सुलेख एंव रंगः सुनील कुमार
सम्पादकः मनीष गुप्ता
2023 AD
ये भविष्यवाणी पचास साल पहले की जा चुकी है-
ये साल इस दुनिया का अंतिम साल है! क्योंकि ये साल– विनाश का साल है-
पृथ्वी का जीवन नष्ट होने से कुछ ही मिनटों की दूरी पर है-
दस हजार वर्षों में एक बार पृथ्वी के पास से गुजरने वाला प्रलया धूमकेतु हमसे सिर्फ दो मिनट पचपन सेकंड की दूरी पर है!
लेकिन इस बार ये हमारे पास से नहीं, बल्कि हमारे पार होकर गुजरेगा।
रोजर! क्या ये सचमुच पृथ्वी से टकराने वाला है?
हां, सर! अब इसमें शक की कोई गुंजाइश नहीं है!

हमारे लेटेस्ट आर्कियोलोजिकल सर्वे ये बताते हैं कि दस हजार साल पहले जब ये पृथ्वी के पास से गुजरा था तो इसका एक टुकड़ा उस वक्त भी पृथ्वी से टकराया था।
और अगर इंडियन एंशिएंट स्क्रिप्चर्स कॉल्ड 'पुराणों' पर यकीन करें तो उसके बाद सैकड़ों सालों तक पृथ्वी पर ब्लैक पॉवर्स का राज रहा था। और इन ब्लैक पॉवर्स का किंग था... रावण।
अभी तो हम सब खुद 'एंशिएंट स्क्रिप्चर' बनने जा रहे हैं।
ये अपनी नॉलेज झाड़ने का वक्त नहीं है, प्रोफेसर।
क्या हम कुछ नहीं कर सकते, जनरल?
अब तो कॉमेट काफी पास आ गया है। उस पर सुपर थर्मल न्यूक्लियर मिसाइलों से आसानी से निशाना लगाया जा सकता है।
वी हैव ऑलरेडी ट्राइड दैट, सर! उस पर हम दस मिसाइलें छोड़ चुके हैं। निशाना हर बार पक्का था। पर हर बार मिसाइलें उस कॉमेट के आर-पार ऐसे निकल गई जैसे कि कॉमेट वहां पर थी ही नहीं!
एमेजिंग! ओ.के.! टकराने दो उस डूम्सडे कॉमेट को। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी जमीन से एक किलोमीटर नीचे बनी दो हज़ार अंडरग्राउंड मेगासिटीज में शिफ्ट हो चुकी है!

और उनमें से हर एक मेगासिटी में इतने साधन उपलब्ध हैं कि वहां पर दस साल तक रहा जा सके! इसीलिए अब...
...अ!
मैं अभी आया, सर!
तुम इतनी जरूरी मीटिंग छोड़कर जा रहे हो?
तुमको हो क्या गया है, जनरल?
पे... पेट, सर! मेरा स्टामक अपसेट हो रहा है!
तुमको बुरा लग रहा है न?
यस सर! पृथ्वी की आधी पॉपुलेशन चाहे इस जैसी अंडर-ग्राउंड सिटी में रहकर बच जाए...
...लेकिन आधी पॉपुलेशन पर तो खतरा मंडराएगा! और ये हमारी हार है!
क्योंकि जनता की रखवाली ही हमारा फर्ज है! एलाऊ मी, सर!
ठीक है, जनरल! वैसे भी अब हम या तुम कुछ नहीं कर सकते!
यू मे गो!
हां, बोलो! सिग्नल क्यों भेजा?
जानते हो मैं कितनी मुश्किल से मीटिंग के बाहर आ पाया हूं!
प्रलया धूमकेतु पृथ्वी के पास आते-आते अपनी दिशा बार-बार बदल रहा है! ऐसा जैसे कि वह कोई खास निशाना ढूंढ रहा हो!
फिलहाल वह किस तरफ जा रहा है?

हिन्द महासागर में भारतीय तट से सत्तर नॉटिकल माइल की दूरी पर! दक्षिण-पश्चिमी दिशा में!
ओ! वहां पर तो...
हम जानते हैं! चिन्ता मत करो! निशाना मूलक्षेत्र नहीं है!
" फिर उसका निशाना है क्या? अगर धूमकेतु सचमुच अपनी दिशा बार-बार बदल रहा है तो वह आखिर - "
" किसको ढूंढ़ रहा है?"
आप... आप ये सब सोच समझ के कर रहे हैं न, गुरुदेव? कहीं मैं...
नहीं तू नहीं मरेगा! तू बार-बार ये क्यों भूल जाता है नागपाशा, कि तूने अमृत पिया हुआ है! तुझको तो कोई चीज मार ही नहीं सकती!
वैसे भी मैंने इस गुप्त प्रयोग में पांच साल लगाए हैं! पांच सालों तक इस निर्जन द्वीप पर रहकर मैंने तुझको नागराज से भी अधिक शक्तिशाली बनाने का रास्ता ढूंढ़ निकाला है!
इस बार कोई भी शक्ति तुझको ब्रह्मांड का सम्राट बनने से रोक नहीं पाएगी!
दस नागराज मिलकर भी तुझको रोक नहीं पाएंगे! क्योंकि मैं तेरे अंदर वह चीज पैदा करने जा रहा हूं जो तुझको ब्रह्मांड का सम्राट बना देगी!
दिमाग, गुरुदेव?

वह भी मैं पैदा कर सकता हूं, मूर्ख! पर तेरे अंदर नहीं। ये तो शायद ब्रह्मा भी नहीं कर सकते!
मैं तेरे अंदर से तेरे उन दुर्गुणों को निकालने जा रहा हूं जो हमेशा तेरी हार का कारण बनते हैं!
ये रसायन तेरे अंदर से तेरे आलस्य और कायरता को घोलकर बाहर निकाल देगा! और बच जाएगी सिर्फ तेरी क्रूरता! तेरा क्रोध!
और तब तू बन जाएगा इस संसार का सम्राट!
फिर तू तीनों लोकों पर राज करेगा! रावण की तरह!
उसने भी तो मेरी तरह अमृत पी रखा था! लेकिन फिर भी वह मारा गया! मुझे डराओ मत गुरुदेव!
वो इसलिए मारा गया क्योंकि उसके साथ गुरुदेव नहीं था! अगर उसके साथ गुरुदेव होता तो हार राम की होती!
मेरे प्रयोग से गुजरने के बाद इस युग का कोई भी राम तुझे रोक नहीं पाएगा!
तो फिर जल्दी करो न गुरुदेव! मैंने सुना है कि नागराज पागल सांप की तरह हमको ढूंढता फिर रहा है! अगर वह गलती से यहां तक आ गया तो...
ये द्वीप निर्जन जरूर है...
...पर इसके चप्पे-चप्पे पर मेरी सुरक्षा व्यवस्था मौजूद है!
"और वह सुरक्षा सिर्फ इस द्वीप की धरती पर नहीं, द्वीप के चारों तरफ फैले सागर के जल के अंदर भी मौजूद है-"
"नागराज इस द्वीप तो क्या, द्वीप के दो किलोमीटर के घेरे में फैले सागर को भी पार नहीं कर पाएगा-"

"क्योंकि इस द्वीप के चारों तरफ फैली है-"
ग्रेड 4 की न्यूट्रॉनिक फोर्स फील्ड। ठीक वैसी ही जिसका प्रयोग राजधानियों पर सुरक्षा कवच बनाने के लिए किया जाता है!
शायद मैं सही जगह पर पहुंचा हूं!
हम्म्! मैं सही जगह पर ही पहुंचा हूं!
इस नमूने को आज भी गुरुदेव के अलावा कोई और नहीं बना सकता!
और इस बात का एक सुबूत यह भी है कि यह न्यूट्रॉनिक स्क्रीन के आर-पार आ-जा सकता है! गुरुदेव यहीं पर हैं। और अगर वह यहां पर हैं...
... तो इस सदी का सबसे बड़ा शैतान नागपाशा भी यहीं पर मौजूद होगा!

और मेरे लिए ये जानना बहुत जरूरी है कि पांच सालों तक दुनिया की नजरों से दूर रहकर ये शैतान कौन सा गुल खिला रहे हैं!
ओफ़! पहली मुसीबत पार नहीं हुई और मैं आगे की सोचने लगा!
और ये काम ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए! बस मुझे पहले इस नमूने से निपटना पड़ेगा, और फिर उस न्यूट्रॉन शील्ड को पार करना पड़ेगा, जिसको इंटरकोंटिनेंटल बेलेस्टिक न्यूक्लियर मिसाइल्स भी पार नहीं कर सकतीं!
ऐसे तो ये मुझे चीरकर रख देगा!
नागराज आ गया गुरुदेव!

ये कह कि नागराज चला गया ! इस दुनिया से ! देखता नहीं कि वह मेरे डायनो ऑक्टो के चंगुल में फंस गया है जिसके हर बाजू में पचास हजार डायनो पावर की मोटर लगी है!
अब दांया नागराज बांए नागराज से अलग होने वाला है !
देखा ? कितना अच्छा शगुन है!
इधर तू सम्राट बनने जा रहा है और उधर तेरे रास्ते का सबसे बड़ा कांटा खुद ब खुद तेरे रास्ते से हटने जा रहा है !
आऽऽऽह!
आऽऽऽ गड़ड़ड़ब !

अब ये मुझे देख नहीं पाएगा और मेरा काम आसान हो जाएगा!
आऽऽऽह! ये मुझे अभी भी महसूस कर सकता है!
यानी अब बड़ी शक्तियां प्रयोग करने का समय आ गया है।
शीतनाग! अपनी शक्तियां मेरे शरीर में स्थानांतरित करो!
समय के साथ-साथ मैं अपनी शक्तियों को बेहतर तरीके से कंट्रोल करना सीख गया हूं!
अब मुझे शीतनाग की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए उसको अपने शरीर से बाहर निकालने की आवश्यकता नहीं है!
अब ये बर्फीली कैद में रहेगा और मुझे फोर्स-फील्ड को पार करने का रास्ता ढूंढ़ने का समय मिल जाएगा!

आऽऽऽ ह!
इसने बर्फ को पिघला कर तोड़ डाला! यानी गुरुदेव का ये नमूना 'हाई हीट' भी जेनरेट कर सकता है!
अब तो इसको तोड़ना ही पड़ेगा!
लेकिन उससे पहले मुझे सांस लेनी होगी! पर मैं सतह पर नहीं आ सकता!
मेरे पास इतना वक्त नहीं है!
जल में विष शक्तियां कम असरकारक सिद्ध होती हैं। इसीलिए मुझे नई शक्ति जगानी होगी!
ध्यान लगाना होगा!
आऽऽऽ हा! नागराज शिथिल पड़ रहा है! इसका दम घुट रहा है! अब ये नहीं बचेगा!
नहीं! ये ध्यान लगा रहा है! यानी... यानी अब ये अपनी नई शक्ति 'स्वॉप' का प्रयोग करने जा रहा है!
इस शक्ति के प्रयोग के बाद इसको रोकना आसान काम नहीं होगा! मुझे जल्दी करनी होगी!
नागराज ध्यान लगा रहा था और सागर की गहराइयों के वासी अद्भुत सर्प उसकी तरफ खिंचते चले आ रहे थे-
मुझे तुम्हारी आवश्यकता है, बिल सर्प!
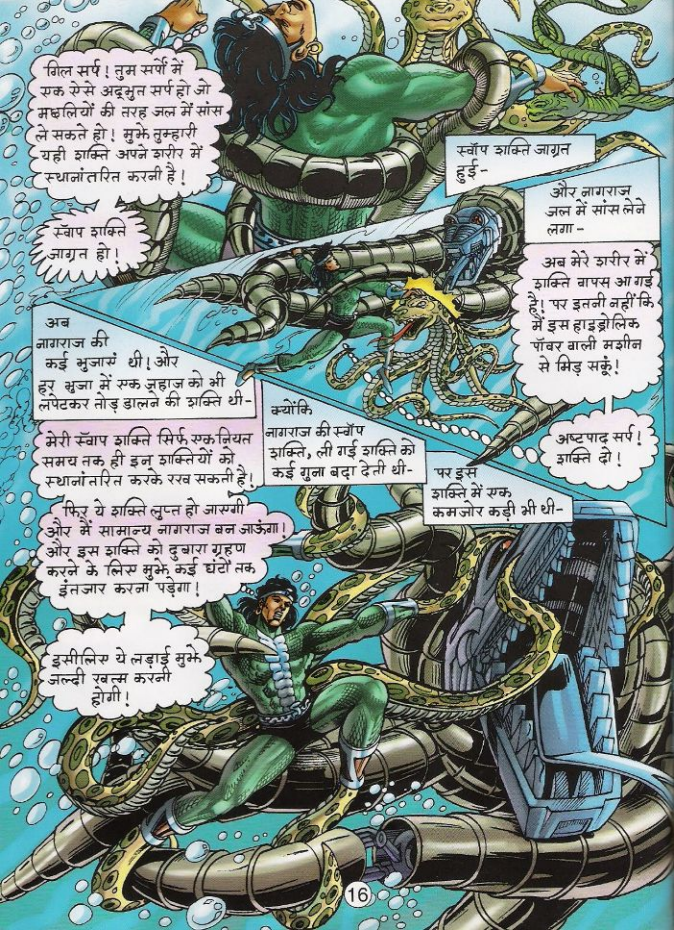
गिल सर्प! तुम सर्पों में एक ऐसे अद्भुत सर्प हो जो मछलियों की तरह जल में सांस ले सकते हो! मुझे तुम्हारी यही शक्ति अपने शरीर में स्थानांतरित करनी है!
स्वॉप शक्ति जाग्रत हो!
स्वॉप शक्ति जाग्रत हुई-
और नागराज जल में सांस लेने लगा-
अब मेरे शरीर में शक्ति वापस आ गई है! पर इतनी नहीं कि मैं इस हाइड्रोलिक पॉवर वाली मशीन से भिड़ सकूं!
अष्टपाद सर्प! शक्ति दो!
अब नागराज की कई भुजाएं थी! और हर भुजा में एक जहाज को भी लपेटकर तोड़ डालने की शक्ति थी-
क्योंकि नागराज की स्वॉप शक्ति, ली गई शक्ति को कई गुना बढ़ा देती थी-
पर इस शक्ति में एक कमजोर कड़ी भी थी-
मेरी स्वॉप शक्ति सिर्फ एक नियत समय तक ही इन शक्तियों को स्थानांतरित करके रख सकती है!
फिर ये शक्ति लुप्त हो जाएगी और मैं सामान्य नागराज बन जाऊंगा! और इस शक्ति को दुबारा ग्रहण करने के लिए मुझे कई घंटों तक इंतजार करना पड़ेगा!
इसीलिए ये लड़ाई मुझे जल्दी खत्म करनी होगी!

ये भारी मशीन पानी के अंदर तैर रही है! जैसे कि पनडुब्बी तैरती है! और वो ऐसा इसलिए कर पाती है, क्योंकि उनके अंदर हवा भरे चैम्बर होते हैं! इसके अंदर भी वही होना चाहिए! अगर वह हवा निकाल दी जाए तो ये मशीन लोहे के गोले की तरह डूब जाएगी!
मुझको बस इस मशीन में लगे उन चैम्बरों को ढूंढ़कर तोड़ना है और ये मशीन बेकार हो जाएगी!
वे चैम्बर यहीं पर होने चाहिए! क्योंकि इनमें एयरलॉक लगा हुआ है!
पानी के भीषण दबाव को मात देते हुए नागराज की भुजा ने एयर लॉक को उखाड़ डाला-
और डायनो- ऑक्टो के अंदर पानी तेजी से भरने लगा-
अब उसका पानी में तैरते रह पाना नामुमकिन था-
लेकिन कहते हैं कि एक दिया भी बुझते- बुझते एक बार तेजी से जरूर चमकता है-
अगर आपके पास आठ हाथ हों तो किसी चीज को ढूंढ़ने में ज्यादा देर नहीं लगती-
डायनो- ऑक्टो के वार में भी वही तेजी थी-

अरे वाह! जैसे ही नागराज असावधान हुआ वैसे ही डायनो ने उसको गड़ब कर लिया! ये मशीन तो मेरे अनुमान से भी ज्यादा तेज निकली!
इसको मैग्नेटिक पॉवर से वापस बुलाना होगा! ताकि मैं नागराज के टुकड़ों को अपनी आंखों से देख सकूं!
तेरी तो सचमुच लॉटरी लग गई नागपाशा! अरे, नागपाशा कैसे सुनेगा? वह तो पूरा घुल चुका है! और उसको अपने रूप में वापस आने में कुछ और पलों का वक्त लगेगा!
नागराज काल के गाल में समा चुका था-
उसके टुकड़े गुरुदेव की तरफ रवाना हो चुके थे-
और नागपाशा का नया रूप आकार लेने लगा था-
क्योंकि अब कोई भी इन घटनाओं को जानने के लिए बचने वाला ही नहीं था-
पता नहीं भविष्य में क्या होना था-
पर इस वक्त जो कुछ भी हो रहा था-
पर अब इन घटनाओं का कोई महत्त्व नहीं था-
वह अद्भुत था

ओह! बाल-बाल बचा! वर्ना मैंने तो अपने ही हाथों से इस द्वीप तक पहुंचने का रास्ता बंद कर दिया था!
लेकिन जैसे ही मैंने मशीन को नाकाम किया वैसे ही मुझे यह ख्याल आया कि यही मशीन फोर्स-फील्ड के पार आ-जा सकती है। और फिर मैं खुद ही लपक-कर इसके मुंह में घुस गया और इसका मुंह अंदर से बंद कर लिया।
पर... पर आसमान में ये क्या बला है, जिसने रात के अंधकार को दिन की रोशनी में बदल दिया है?
नागराज गलत वक्त में गलत जगह पर मौजूद था-
क्योंकि धूमकेतु ने अपने निशाने को ढूंढ़ लिया था-
ये... ये तो एक धूमकेतु है!
आऽऽऽह! ये टक्कर तो पृथ्वी से जीवन का नाश कर देगी!
जमीन की कड़ी सतह पलभर में रबर जैसी लचीली हो गई थी-

और आसमान जैसे आग उगलने लगा था-
पृथ्वी पर प्रलय आ चुकी थी-
और बगैर कोई खास नुकसान पहुंचाए गुजर भी चुकी थी?
ये... ये क्या चीज थी? ऐसा लगता है जैसे कि यहां पर कुछ हुआ ही नहीं!
नागराज! नागराज!
नागपाश!
नहीं! वह राक्षस... हफ...
असंभव!
उसको बचा लो नागराज! उसको बचा लो!
वह... हफ... राक्षस...
कौन राक्षस? गुरुदेव?

ये... ये असंभव है! ये नहीं हो सकता! ये नहीं हो सकता!
पाप का बीज, पृथ्वी की कोख में समा चुका था-

अब इंतजार था उसके अंकुर फूटने का-
सन् 2025
दो साल बीत चुके थे-
और पाप के पौधे ने पेड़ में विकसित होकर पूरे संसार को अपनी परछाई की चादर में ढ़क लिया है-
SPACE PLATFORM 1
जानते हैं पापा! माँ कहती है कि जब तेरे पापा जुपिटर की यात्रा पर गए थे तो तुझे ... यानी मुझे ... मेरे पास... यानी मम्मी के पास छोड़कर गए थे!
उनके गर्भ में! तभी मैं जब बीस साल बाद वापस आया तो तुझे पहचान भी नहीं सका!
देखकर! कहीं कोई कार या ट्रक हाई स्पीड पर न आ रहा हो!
ओ, पापा! आप बीस साल बाद वापस आए हैं! इन बीस सालों में दुनिया बिल्कुल बदल चुकी है!
अब रोड पर वेहिकल्स नहीं चलते ...
तो क्या हवा में चलते हैं?
नहीं पापा! अब वेहिकल चलते ही नहीं हैं ...
...रोड चलती है! ऐसे!
FAST SLOW
ओ गॉड! जाएंट कन्वेयर बेल्ट्स!
बीस सालों में दुनिया कहां से कहां पहुंच गई है! लोग ऐसे सफर करते हैं!
पर लोग हैं कहां? इतना सन्नाटा सा क्यों है?

आप स्पेस में थे, पापा! इसी-लिए शायद आपको पता नहीं है! आज से दो साल पहले धरती से एक धूमकेतु टकराया था! किसी बड़े विनाश की आशंका के कारण अधिकतर आबादी अंडरग्राउंड सिटीज में रहने चली गई! सतह पर अब सिर्फ बीस परसेंट लोग ही रहते हैं!
लेकिन अगर धूमकेतु सिर्फ दो साल पहले टकराया तो कहीं पर विनाश के कोई लक्षण क्यों नहीं हैं!
और अगर इतना भयंकर विनाश हुआ था तो सिर्फ दो सालों में इतना निर्माण कैसे हो गया?
यह भी एक रहस्य है, पापा! वह धूमकेतु समुद्र में कहीं गिरा था! वैज्ञानिक अनुमानों के हिसाब से उस टक्कर के कारण कम से कम तीन महा-द्वीपों के पूरे तट पर सुनामी आना चाहिए था!
कम से कम 9 रिक्टर स्केल का भूकंप आना चाहिए था! पर कुछ भी नहीं हुआ! कोई विनाश नहीं हुआ!
ऐसा लगा जैसे कि वह धूमकेतु पृथ्वी के आर-पार होकर निकल गया!
लेकिन तब तक अधिकतर आबादी अंडरग्राउंड सिटीज में शिफ्ट हो चुकी थी! अब वे सतह पर कम ही आते हैं!
ओह! तो ये है लोगों के कम दिखने का कारण!
दस परसेंट!
बाकी नब्बे परसेंट कारण दूसरा है!
वह क्या है?
वो!
वहां पर तो कुछ भी नहीं है!
वो खंभे शायद पेंच ढीले हो जाने के कारण अपने आप गिर रहे हैं!

काउंटर फोर्स! मैं कन्वेयर नंबर 23 से बोल रही हूं!
एक 'डार्क-क्रीचर' कन्वेयर को तोड़ने की कोशिश कर रहा है!
प्लीज कम फास्ट!
यहां तो कोई भी नहीं है!
आऽऽह!
पापा!
मुझे पता नहीं कि तुझ जैसे कुछ मनुष्य हमको अदृश्य रूप में भी कैसे देख लेते हैं!
हम पन्द्रह सेकंड में पहुंच जाएंगे!
ये तुम क्या कह रही हो रिया?
पर हमने भी तुझ जैसे मनुष्यों को चुन-चुनकर मारने की कसम खाई हुई है!
मर!
आऽऽऽह!
मेरा दिल!
ये... ये तूने कैसे किया?
प... पता नहीं! ऐसा मैंने पहली बार किया है!
हट जाओ!

तुम जैसे शैतानों से निपटने का नया तरीका, ये चारों तरफ से तुम्हारे शरीर पर ऐसा दबाव डालेगा जैसा सागर में दस किलोमीटर नीचे पैदा होता है!
और इतना दबाव...
आऽऽऽह! काउंटर फोर्स और इनके पास प्रेशर गन्स भी हैं!
प्रेशर गन्स! ये कैसा हथियार है?
...तुमको गुब्बारे की तरह फोड़ डालने के लिए काफी है!
ओफ़! ये इस रात का दसवां हमला था! और हमको इन हमलों का कारण समझ में नहीं आ रहा है!
सर! तीन जगहों पर और 'ब्लैक पॉवर्स' के हमले शुरू हो गए हैं!
ये सब क्या था रिया? तुम्हारी पॉवर्स और ब्लैक पॉवर्स! ये सब आखिर हो क्या रहा है?
थैंक्स मिस! आप जैसे कुछ अद्भुत इंसानों के कारण ही हमको समय से सूचना मिल पाती है!
अब हमें चलना होगा!
ये लोगों के घरों से बाहर न निकलने का कारण है!
कॉमेट के टकराने के बाद न जाने कहां से अजीब प्राणी मानव बस्तियों पर हमला करने लगे हैं!

उनमें से कई प्राणी ऐसे हैं जो आम इंसानों को नजर नहीं आते! पर मेरे जैसे कुछ और लोग हैं जो उनको देख सकते हैं!
ये शक्ति मुझमें कहां से आई ये मुझे पता नहीं है!
पर ये ब्लैक क्रीचर्स चाहते क्या हैं? सिर्फ विनाश फैलाना तो इनका मकसद हो नहीं सकता।
वे हम पर राज करना चाहते हैं! और इसके लिए वे उस चीज को निशाना बनाते हैं जो आज के दिन में हमारे लिए सोने से भी ज्यादा कीमती है! अन्न! लेकिन नागराज, ध्रुव और ऐसे ही दूसरे हीरोज के कारण अभी तक वे पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं!
नागराज! तो नागराज अभी तक मौजूद है और उसने हमको सुरक्षित रखा हुआ है!
रिया!
कौन है?
तुमको हमारे साथ चलना होगा रिया!
अभी!
क्यों? कौन हो तुम लोग?
वक्त आने पर तुमको सब पता चल जाएगा!
अब ये तुम्हारी मर्जी है कि तुम अपनी मर्जी से हमारे साथ चलती हो या हमारी मर्जी से!
तुम मुझसे लड़ना चाहते हो?
नहीं!
ओ.के.! ओ.के.! मैं चलती हूं तुम्हारे साथ!
रिया! हम अभी तो मिले हैं!
घबराइए मत पापा! मुझे कुछ नहीं होगा!
मैं आपको एड्रेस देती हूं! आप घर पर मेरा इंतजार कीजिएगा!

रिया!
ओफ़! मैं इस बदली पृथ्वी पर वापस आया ही क्यों?
रिया!
रिया को नुकसान नहीं पहुंचेगा!
रूबिया! माई वाइफ! क्या ये सचमुच तुम हो?
ये मेरा विश्वास है!
पर तुम तो बिल्कुल वैसी ही लग रही हो... जैसे बीस साल पहले लगती थीं!
हां, रूपक! आओ मेरे साथ! मुझे तुमको ढेर सी बातें बतानी हैं!
चलो!
उधर से?
"इसके अंदर सिर्फ खास अधिकारी ही जा सकते हैं -"
वह तो कमर्शियल मोबाइल हाइवे है! उस पर वे सामान आते-जाते हैं जो कभी ट्रकों में आया-जाया करते थे! ऐसी कई मोबाइल हाइवे हैं!
ये हाइवे दिल्ली से लाहौर होती हुई दमिश्क और पेरिस तक जाती है!
यही वे कंटेनर हैं न, जिनमें गेंहू बगदाद भेजा जा रहा है?
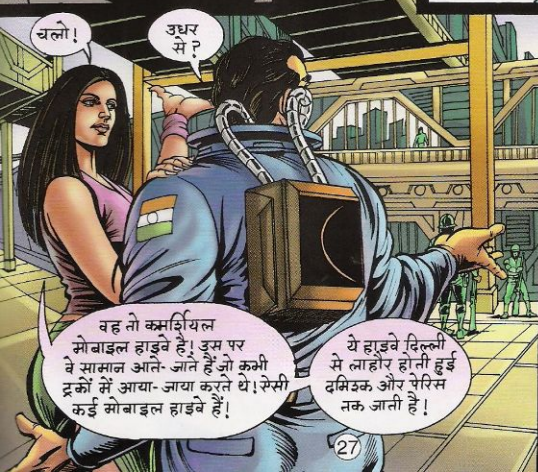
हम इन अट्ठाइस कंटेनरों का चार्ज लेने आए हैं! ये रही जरूरी आई - आथोराइजेशन! हमको इस अन्न को गुजरात भेजना है! अंडरग्राउंड सिटी नम्बर 64 A में!
और मुझे तुमको जेल में भेजना है!
ये क्या बकवास है?
जानते नहीं कि हम कौन हैं?
यही जानना चाहता हूं! पर तुम नहीं जानते कि ये कंटेनर खाली हैं! और तुम ये भी नहीं जानते कि मैं कौन हूं!
ओफ्! छोटे शैतानों से लगातार हमले करवाकर काऊंटर फोर्स को बिजी रखने ारा प्लान भी काम आया!
पहले अपनी आंखें खोलो और फिर अपनी जुबानें!
नागराज!
यानी... ये फंदा था! हमको फंसाने के लिए! अन्न भेजने की ये झूठी खबर फैलाई गई और पहरे के लिए नागराज को भेजा गया!
करेक्ट! अब बताओ कि पिछले दो सालों से तुम जैसे शैतान कहां से पैदा हो रहे हैं? कौन है तुम्हारा लीडर? मकसद क्या है तुम्हारा?

मकसद सीधा सा है। पूरे ब्रह्मांड पर एक ही सत्ता को कायम करना! हमारे ईश्वर की सत्ता को! तुम जैसे कई इंसान हमारे ईश्वर की काली शक्तियों को स्वीकार भी कर चुके हैं और उनको इसका इनाम भी मिल चुका है!
ईश्वर एक ही होता है! काला या सफेद नहीं! जब तक नागराज जीवित है, इस ब्रह्मांड में इसी ईश्वर की सत्ता रहेगी! किसी काले शैतान की नहीं!
अब बताओ! कौन है तुम्हारा काला ईश्वर?
कहां मिलेगा वह मुझे?
उनकी सत्ता को मान लो! वे खुद-ब-खुद तुम्हारे सामने प्रकट हो जाएंगे!
और हम वो मामूली शैतान नहीं हैं जिनसे काउंटर फोर्स वाले निपट सकें!
हमारे पास ऐसी असीमित शक्तियां हैं जिसका तुम भी सामना नहीं कर सकते, नागराज!
नागराज के कुछ सोच पाने से पहले ही-
वार हो चुका था-
और नागराज ये लड़ाई हार चुका था-
हा हा हा! ये रहा नागराज। धुंए की एक लकीर के रूप में!
अब तो स्वामी हमको मनचाही वस्तुओं से लाद देंगे!

उससे पहले मैं तुमको लाद दूंगा!
म्यूजियम में जा रहे इस एंटीक पीस से!
... नागराज अमर हो गया है!
आऽऽऽह!
कुछ भी हो! अब हम ऐसे वापस नहीं जा सकते! ईश्वर पूछेंगे तो हम क्या जवाब देंगे।
ये... ये नहीं हो सकता! नागराज तो मर गया था हमारी आंखों के सामने!
यानी हमने जो सुना था वह एकदम सत्य है!...
यही कि हम मूर्ख बन गए! जिस अन्न को लाने हम गए थे वह वहां पर था ही नहीं!
मुझे अपने शरीर को दो टुकड़ों में बांटने का कोई शौक नहीं है!
फिर तो एक ही रास्ता है! नागराज को खत्म करना ही होगा! सिर्फ यही एक रास्ता है ईश्वर को प्रसन्न करने का!
पूरी शक्ति एक साथ लगा दो! शायद हम इस पर काबू पा सकें!
लगता है कि हम सफल हो रहे हैं! पावर का लेवल और बढ़ाओ!

ये काली शक्तियों की ऊर्जा है, नागराज! कुछ ही सेकंडों में तुम्हारे अंदर काली शक्तियां प्रवेश कर जाएंगी!
और तुम बन जाओगे काली नागशक्तियों वाले नागराज! हमारे ईश्वर के पुजारी!
और एक बार तुम हमारी तरफ आ गए तो हमको कोई नहीं रोक पाएगा! कोई नहीं!
अरे! ये क्या? नागराज को हमारे चंगुल से बचाकर कौन ले गया?
मैं!
आऽऽऽह!
सुपर कमांडो ध्रुव! इसको भी अभी ही यहां पर आना था!
आना ही पड़ा! क्योंकि कमांडो हेडक्वार्टर के जी.पी.आर. सिस्टम पर काली शक्तियों के इतने बड़े सोर्स पहली बार दिखे थे! और वह भी मोबाइल हाइवे के अंदर!
मैं समझ गया था कि इस बार कोई बड़ा खतरा आने वाला है! और यही खतरा मेरा काली शक्तियों के मेनसोर्स तक पहुंचने का एकमात्र मौका था! बस मैंने स्टार होवर क्राफ्ट उठाया और यहां पर आ पहुंचा!

यानी आज तुम दोनों एक साथ मरोगे !
नहीं! कोई नहीं मरेगा ...
... क्योंकि मुझे तुम दोनों जिन्दा चाहिए हो!
नागराज को होश आने से पहले इसको खत्म कर लो...
मामूली सा काम है। इसके अंदर हमारे जैसी कोई पॉवर तो है नहीं! फिर ये हमसे कैसे बचेगा ?
कंवेयर बेल्ट की गति एकाएक तेज हो गई-
ऐसे !
KLIK
सिग्नल मिलते ही-
भागने के सारे रास्ते बंद हो गए-
और फिर-
तैयारी करके आना हमेशा काम आता है !

हमेशा नहीं!
ओ गॉड! इनके अंदर तो चीज़ों के आर-पार जाने की भी शक्ति है!
हमारे पास और शक्तियां भी हैं!
ओ! टेली पोर्ट पॉवर!
ये तो हमारी शक्तियों की शुरुआत है!
अब क्या करेगा, सुपर हीरो?
आऊ! इसके बूट्स में तो 5 लाख वोल्ट का इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज है!
तुम दोनों को बेहोश करने के लिए काफी है!

आऽऽऽह! ब्लैक पॉवर्स चाहे जितनी कमजोर हो जाएं, पर तुम जैसे सत्यप्रिय मानवों से हमेशा अधिक ताकतवर साबित होंगी!
ओफ़! अब तो बचने का तो क्या, संभलने तक का टाइम नहीं है!
अब वक्त आ गया था-
कि मदद का कर्ज चुका दिया जाए-
नागराज! हाई!
एंड थेंक्स!
आऽऽऽह! नागराज में ये नई शक्तियां कहां से आ गई हैं?
शायद ये उन ब्लैक पॉवर्स का असर है जिनका वार हमने नागराज पर किया था!
यानी अब नागराज ब्लैक स्नैक पॉवर्स वाला नागराज बन गया है! हमारे ईश्वर का भक्त!
तब तो हमारा काम हो गया है!
अ... अब हमें यहां से निकल लेना चाहिए!
बिल्कुल!
भागने का अच्छा बहाना सोचा इसने!
ओह! ये दोनों तो भाग रहे हैं!
इनको रोको नागराज!
वर्ना हम काली ऊर्जा के स्रोत तक कभी पहुंच नहीं...

नागराज! तुम कुछ बोलते क्यों नहीं? और... और तुम मुझे ऐसे क्यों देख रहे हो? माना कि बहुत समय से हम नहीं मिले, लेकिन दो साल पहले तो हम मिले थे! याद आया?
दो साल तक मैं भी इतना बिजी रहा कि ये पता लगाने का समय ही नहीं मिला कि तुम कहां हो, और क्या कर रहे हो?
मैं ध्रुव हूं! ध्रुव!
काली शक्तियां! यहां पर सिर्फ काली शक्तियां हैं! ब्लैक पॉवर्स।
और कुछ भी नहीं है!
नागराज! ये तुम क्या कह रहे हो? मैं ध्रुव हूं! मैं ब्लैक पॉवर नहीं हूं!
सब ब्लैक पॉवर्स हैं! सब कुछ!
ओफ्फ! शायद नागराज पर सचमुच ब्लैक पॉवर्स का असर हो गया है! तभी ये मुझको पहचान नहीं रहा है! और... और... इसके पास ऐसा सांप तो मैंने पहले कभी नहीं देखा! ये सच है...

नागराज ब्लैक पॉवर में बदल रहा है! मुझे इसको रोकना होगा! रोकना ही होगा!
पर कैसे? ये बख्तरधारी सांप तो मुझे ज़कड़ता ही जा रहा है!
आऽऽऽह!
नागराज की कुछ नई शक्तियों के बारे में तो मैं भी जानता हूं लेकिन ये जिन शक्तियों का प्रयोग कर रहा है, उनके बारे में तो मैंने कभी सुना तक नहीं!
अरे! ये सांप तो सचमुच अजीब है! इसका सिर कुचल गया पर खून का एक कतरा तक नहीं निकला!
शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं दो सालों तक नागराज से 'आउट ऑफ टच' रहा हूं!

लेकिन मैं भी यहां पर तैयारी के साथ आया हूं! हांलाकि, ये तैयारियां मैंने ब्लैक पॉवर्स से निपटने के लिए की थीं, लेकिन अब उनका प्रयोग मुझे नागराज पर ही करना पड़ेगा!
और अगर ये ब्लैक पॉवर बन चुका है तो वे तरीके इस पर जरूर असरकारक साबित होंगे!
ध्रुव ने रिमोट दबाया-
और-
आऽऽऽह! ये क्या है?
पवित्र जल! यानी पापनाशक गंगाजल! अब तक ये शैतानी शक्तियों पर बहुत कारगर सिद्ध हुआ है! हमारे लिए ये पानी है, पर ब्लैक पॉवर्स पर इनका असर एसिड जैसा होता है!
अगर तुम्हारे अंदर भी ब्लैक पॉवर्स ने घर कर लिया है तो ये जल तुमको नुकसान नहीं पहुंचाएगा पर उन शक्तियों को जलाकर नष्ट कर देगा!
और तुम फिर से सामान्य...
आऽऽऽह!
नागराज पर पवित्र जल का असर नजर तो आ रहा था।
पर वह असर नागराज को रोकने में अक्षम था-

आऽऽऽह!
फुंकार पलभर में ध्रुव की जान ले सकती थी-
ये 'अल्ट्रा-रे सिक्योरिटी ज़ोन' है! हर कंटेनर स्कैनिंग के बाद ही आगे जाएगा!
कृपया प्रतीक्षा करें!
छोड़ूंगा विषफुंकार! खत्म कर दूंगा ब्लैक पावर को!
तू ब्लैक पॉवर है!
आऽऽऽऽह!
ये चक्कर क्या है?
आऽऽऽह! ओऽऽऽह!
ये... ये क्या हो रहा है नागराज को? शायद गंगाजल का असर अब सामने आ रहा है!
नागराज के बदन से धुंआ निकल रहा है! इसके अंदर की ब्लैक पॉवर्स भस्म हो रही हैं!
ओ माई गॉड! इतनी लंबी छलांग! एक और नई शक्ति!

ये क्या चक्कर है? ये... ये सच नहीं हो सकता! मैं जरूर किसी दूसरी 'पैरेलल अर्थ' पर उतर आया हूं!
नहीं! रुको रूपक! तुम एकदम सही जगह पर आए हो और सही समझ रहे हो!
डाइवोर्स कोर्ट में!
होश में आओ, रूपक!
मुझे यहां से जाना है! जाना है मुझे!
मैं तुमको प्यार करती हूं!
हमारी बेटी रिया तुमको प्यार करती है!
न... नहीं! छोड़ दो मुझे! मुझे जाने दो!
कहां जाओगे तुम?
पर मैं...
... एक नागिन से कैसे प्यार कर सकता हूं! मुझे पता ही नहीं था कि तुम एक नागिन हो, रुबिया!
और मैंने पागलों की तरह बीस सालों तक तुम्हारा इंतजार किया! तुम्हारी बेटी... अपनी बेटी को जन्म दिया! उसको पाला! उसने भी तुम्हारा इंतजार किया!
और आज जब वह आया जिसका हम बीस सालों तक इंतजार करते रहे, तब वह मुझसे प्यार नहीं... तलाक मांग रहा है!
यह सच्चाई मैं तुमको बहुत पहले बता देती रूपक! पर तुम स्पेस में चले गए थे!
आ... आई एम सॉरी रुबिया! पर... ये मेरे लिए एक बहुत बड़ा शॉक था! पर अब मैं संभल गया हूं!
पर क्या रिया भी...
नहीं!
रिया नागिन नहीं है!
एक नॉर्मल लड़की है!

नहीं, रूपक! रिया की पॉवर्स क्या हैं ये तो वह खुद भी नहीं जानती। बस मैं जानती थी कि उसमें कुछ न कुछ पॉवर्स जरूर होंगी!

और मुझे ऐसा लग रहा है कि रिया को ले जाने वाले टीन एजर्स भी वैसी ही पॉवर वाले लोग हैं! हमारे जैसी दंपत्तियों की संतानें!

व्हाट! यानी... हमारे जैसी दंपत्ति और भी हैं!

कई हैं रूपक! पहले समाज से जाति का भेद मिटा, और अब प्रजाति का भेद भी मिट रहा है!

पर सांप... और इंसान एक साथ?

एक सर्पशक्ति धारक इंसान पिछले कई दशकों से हमारी रक्षा कर रहा है! नागराज! हमारी दोस्ती की सबसे बड़ी मिसाल है! और वह हमारा ही नहीं, तुम लोगों का भी सबसे बड़ा हीरो है!

पर नाग और इंसानों का ऐसा संपर्क संभव कैसे हुआ?

नाग नहीं, इच्छाधारी नाग बोलो रूपक! सौ वर्ष की नाग आयु भोगने के बाद हमारे अंदर मानव जींस अपने आप बनने लगे हैं!

हम अगर चाहें तो हमेशा के लिए मानव रूप में ही रह सकते हैं! ऐसे कई इच्छाधारी नाग हैं, रूपक, और वे सदियों से मानवों के बीच में उन्हीं के रूप में रहते आए हैं!

पर उनका घुलना मिलना पिछले बीस तीस सालों में ही बढ़ा है!

थैंक गॉड! यानी मैं अकेला ऐसा इंसान नहीं हूं जो एक...

... नागिन से प्यार करता है! आई लव यू रूबिया!

पर... रिया कहां है? मैं उससे मिलने के लिए तड़प रहा हूं!

वेलकम रिया!
मुझे यहां क्यों लाया गया है? ये तो... ये तो ग्लोबल चैनेल भारती कम्युनिकेशंस की मेन बिल्डिंग है!
मेरा इंटरव्यू लेना है क्या?
ओ! वह भी लेंगे रिया! पर पहले मैं ये जानना चाहता हूं कि तुमने अपना हाथ ब्लैक पॉवर के सीने में डालकर उसका दिल कैसे पकड़ लिया था!
क्या तुमको पहले से पता था कि तुम्हारे पास 'थ्रू-पॉवर' है?
नहीं! पर आप कौन हैं?
रोजर! साउथ-ईस्ट एशियन रीजन का सिक्योरिटी इंचार्ज! इस क्षेत्र को ब्लैक पॉवर्स से मुक्त रखना मेरा काम है! और मुझे इस काम में तुम्हारी मदद चाहिए!
मेरी मदद! पर मैं क्या कर सकती हूं! मेरी उम्र तो सिर्फ उन्नीस साल है!
इन सबकी उम्र भी बीस से कम है!
पर आज ये 'ब्लैक टर्मिनेटर्स' ग्रुप के परमानेंट मेम्बर हैं! इनके अन्दर भी ब्लैक पॉवर्स को देख सकने की शक्ति है, और तुम्हारी तरह ही कुछ दूसरी अद्भुत शक्तियां भी हैं!
और उन पॉवर्स की मदद से हम और तुम मिलकर ब्लैक पॉवर्स को मटियामेट कर सकते हैं!
रियली? पर हममें ही ये पॉवर्स क्यों हैं?
क्या है कॉमन मुझमें और इन दूसरे टीन एजर्स में?
एक चीज कॉमन है रिया! इनमें हर किसी का एक पेरेंट नाग...
नागराज!
क्या हुआ तुमको?
नागराज को तुरन्त मेरे पास भेजो, रोजर!
ओ.के., चीफ!

अ...आओ नागराज !
वाऊ ! मैंने नागराज को पहली बार इतनी पास से देखा है !
ENTRY RES
नागराज किसी के भी पास नहीं जा रहा है !
क्योंकि ये खुद अब एक ब्लैक पॉवर बन चुका है !
मैंने तो देखा ही पहली बार है !
हाऊ हैंडसम !
पर ये यहां पर क्यों आया है ?और ये किसके पास जा रहा है ?
ध्रुव !
वाऊ ! मेरा एक और फेवरिट सुपर हीरो ! व्हाट एलकी डे !
रुक जाओ ध्रुव !
चीफ !
ये...ये आवाज तो...
धनंजय, तुम ! तुम तो स्वर्ण नगरी में थे, सागर के तल पर ! फिर तुम यहां पर कैसे आ गए ?
भारती कम्युनिकेशंस की हेड बिल्डिंग में? और वह भी... चीफ के रूप में !
अंदर आओ ! तुम्हारा भ्रम अभी दूर हो जाएगा !
और हां ! नागराज को भी लेते आओ !
पर नागराज तो 'ब्लैक पॉवर' बन गया है !
ये नागराज ब्लैक पॉवर नहीं बन सकता !
ये नागराज?
इसका क्या मतलब हुआ ?

क्योंकि ये नागराज एक बायो रोबॉट है! आम भाषा में बोलें तो नागराज का जेरॉक्स!
ओ गॉड! ये तो दर्जनों की तादाद में हैं! तो ये है नागराज के साथ जुड़ी अमरता की सच्चाई!
यानी रोबॉट नागराज पर ब्लैक पॉवर्स का नहीं बल्कि ब्लैक पॉवर्स के वारों का और 'स्कैनिंग रेज'का असर हो रहा था!
पर अगर ये जेरॉक्स है तो नागराज कहां है?
क्या वह...
नहीं!
नागराज जिन्दा है!
लेकिन वह दो सालों से कोमा में है! यह गया तो था एक द्वीप पर नागपाशा को ढूंढने, पर जब सर्च पार्टी इसके पीछे वहां पर पहुंची तो वहां पर द्वीप के नाम पर सिर्फ चट्टानें थी और पानी में तैरता नागराज का शरीर जिसमें जीवन के कोई लक्षण नहीं थे!
नागराज की सुरक्षा के लिए नागराज की पत्नी ने सरकार से ये रिक्वेस्ट की थी! दरअसल नागराज में ब्लैक पॉवर के लक्षण पाए गए थे!
और मिसेज नागराज को ये डर था कि नागराज पर दुबारा जान लेवा हमला हो सकता है! और अस्पताल सुरक्षित जगह नहीं है!
इसको वापस लाया तो गया था अंतिम संस्कार करने के लिए पर तभी इसने एक छोटी सी सांस ली!
और तब से ये दिन में एक बार सांस ले रहा है!
पर... पर ऐसी हालत में तो इसको अस्पताल में रखना चाहिए था! फिर ये यहां पर क्यों है?
मिसेज नागराज! नागराज ने शादी कर ली! पर कब?
कौन है इसकी पत्नी?

मैं, ध्रुव! मैं हूं मिसेज नागराज!
और तुमको शादी में न बुला पाने के लिए मुझे अफसोस है!...
...विसर्पी की उम्मीद कर रहे थे! पर उसने तो लेडी नागराज यानी नागरानी की घटना के बाद नागराज से जैसे मुंह ही मोड़ लिया। मिली भी तो अंजानों की तरह!
पर... तुम और नागराज? ये सब हुआ कैसे?
मैं तो समझता था कि नागराज अगर कभी शादी करेगा तो सिर्फ विसर्पी से! वर्ना कुंवारा ही रहेगा।
...नागराज को भी था! पर ये शादी इतनी जल्दी में हुई कि समय ही नहीं मिला।
मैंने नागराज को विसर्पी से कम कभी नहीं चाहा, ध्रुव! पर मेरा प्यार हमेशा एक तरफा ही रहा! मैंने हिम्मत करके नागराज से अपने प्यार का इजहार भी किया, पर बात आगे कभी नहीं बढ़ी!
लेकिन वह दिन कुछ और ही था।
"उस दिन अगर मैं कहती कि सूरज पश्चिम से उगे तो शायद वह भी मान जाता-"
उनको यहीं पर होना चाहिए नागराज।
सारे संकेत बता रहे हैं कि भविष्य में शीघ्र ही पूरे ब्रह्मांड की सारी काली शक्तियां यहीं पर जमा होने वाली हैं!
तब तो नागपाशा और गुरुदेव वहीं पर होंगे!
वे पिछले पांच सालों से दुनिया की नजरों से यूं ही गायब नहीं हैं!
ग्रहों की आने वाली स्थिति किसी महाविनाश का इशारा कर रही हैं, नागराज!
भारती! तुम... तुम हो मिसेज नागराज!
आ... आई एम सॉरी... पर मैं तो...
मैं इस महाविनाश का होने से पहले ही नाश कर दूंगा! मैं जाऊंगा इस स्थान पर! अभी!
तो तुमको भी इसका पता चल ही गया।
भारती तुम कब आईं?
किसका पता भारती?
जानने के लिए पढ़ें फुंकार

उसका कंट्रोल हमारे हाथों से छूटकर मेरे एक्स बॉस और प्रेजेंट पार्टनर पहलेजा जैसे शख्ड़ा के हाथों में जाना महाविनाश ही है!

मुझे याद है!

और पहलेजा ने न जाने कहां से उन कागजात की कॉपी निकलवा ली है जिस पर तुम्हारे दस्तखत हैं! वह कोर्ट में जाकर केस करने वाला है कि भारती कम्युनिकेशंस का कंट्रोल मालिक ही अपने हाथों में रखें!

और मालिक या तो पहलेजा है या तुम! तुम भारती कम्युनिकेशंस को समय नहीं दे सकते! ये बात कोई भी मान लेगा! और फिर फैसला पहलेजा के हक में होगा! कंपनी का कंट्रोल उसके हाथों में चला जाएगा!

पर...पर इसका एक हल है! मैं शेयर्स तुम्हारे नाम ट्रांसफर कर देता हूं!

कानून के अनुसार शेयर किसी कानूनी वारिस को ही ट्रांसफर किए जा सकते हैं! काश, तुम्हारा कोई कानूनी वारिस होता!

है न!

हम कहां जा रहे हैं नागराज?

जहां पर मेरा कानूनी वारिस मिलेगा!

कौन?

आओ! मैं तुमको उससे मिलवाता हूं!

दादाजी! आप भी आइए हमारे साथ!

और ये है वह जगह!

अरे! ये तो प्राचीन शिव मंदिर है!

हां आओ!

आइए दादाजी!

दो मालाएं देना! इनको पैसे दो भारती!
पहले पूजा करोगे क्या?
पैसे दो!
आओ नागराज आओ! तुम बहुत दिनों से यहां पर साधना के लिए नहीं आए!
आज उससे भी अधिक जरूरी काम के लिए आया हूं पुजारी बाबा! आपको मेरा एक काम करना है!
कैसा काम नागराज?
आपको हमारा विवाह कराना है! अभी!
अब तुमको मेरा कानूनी वारिस बनने से कोई नहीं रोक पाएगा, भारती! फिर न मैं तुमसे कभी दूर जा पाऊंगा और न ही वह भारती कम्युनिकेशंस, जहां पर मैंने समाज के बीच में राज बनकर रहना सीखा! हमारी यादों को हमसे कोई छीन नहीं सकता भारती!
" दादाजी और मंदिर में मौजूद लोग उस शादी के गवाह बने- "
" और ऐसे मैं मिसेज नागराज बन गई- "
बधाई हो
नागराज!
ओहो हो! ये तुमने मुझे क्या दे दिया, नागराज!
लगता है जैसे मेरा नया जन्म हुआ है!
" मुझे लगा कि मैंने आखिरकार नागराज को पा लिया है- "
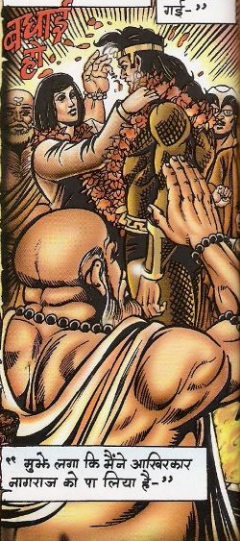
"पर ये खुशी चंद क्षणों की थी-"
अब हम कानूनी रूप से पति पत्नी हैं भारती! अब अगर मैं वापस नहीं आया तो भी तुम हमेशा भारती कम्युनिकेशंस की मालिक बनी रहोगी!
और... तुम्हारी?
"मुझ पर ये जानकर गाज गिर पड़ी थी कि ये विवाह जिन्दगी भर का बंधन नहीं-"
"बल्कि एक कानूनी समझौता था-"
मेरे दिल पर किसी और का हक है भारती! मैं किसी और को तभी अपना सकता हूं जब वह मुझ पर अपना हक छोड़ दे!
और वह है विसर्पी!
"नागराज ने जवाब नहीं दिया-"
"पर उसकी खामोशी सच्चाई को मेरे कानों में फुसफुसा गई थी-"
कोई बात नहीं नागराज! मैं हमेशा तुम्हारे दिल का रास्ता देखूंगी तुम मुझे चाहे दिल से पत्नी न मानो पर मैं तो तुमको पति मान चुकी हूं न!
म... मैं चलता हूं दादाजी!
"नागराज चला गया! बस, उसके बाद नागराज को मैंने इसी हालत में देखा-"
आप भारती को घर ले जाएं!
बस, इतनी सी थी हमारी शादी! न बारात, न बाजे न फेरे! शायद नागराज को भविष्य का आभास हो गया था!
मुझे खुशी है कि नागराज को तुम्हारे जैसी पत्नी मिली भारती! शिव-पार्वती की जोड़ी है तुम्हारी!
अब तुम ही नागराज की पत्नी हो!
सो चियर अप!
लेकिन तुम इस मामले में कैसे फंस गए धनंजय?
ब्लैक पॉवर्स के कारण! नागराज के कोमा में जाते ही ब्लैक पॉवर्स, मशरूम की तरह प्रकट होने लगी थीं! और हम ब्लैक पॉवर्स से निपटने में एक्सपर्ट हैं!

पर तुम्हारे बारे में तो शायद मुझ जैसे कुछ लोगों के अलावाऔरकोई जानता ही नहीं! फिर तुमसे संपर्क किसने किया?

वो जो हमारे भी पूज्य हैं और तुम्हारे भी! उनके बारे में भी तुम जल्दी ही जान जाओगे!

शुरुआत में तो हमें सिर्फ नागराज का प्रतिरूप बनाने के लिए बुलाया गया था! ताकि नागराज के नाम का असर बना रहे! तब हमें पता नहीं था कि नागराज सालों तक कोमा में रहेगा!

और उस दौरान ब्लैक पॉवर्स बढ़ती जाएंगी। देव संख्या में कम हैं! इसी-लिए हमने अपनी तकनीक मानवों को दी! काउंटर फोर्सेज बनाईं!

पर ये काफी नहीं था! मानवों की लालच और ईर्ष्या जैसी कमजोरियोंका फायदा उठाकर और उनको मनचाही चीजें देकर ब्लैक पॉवर्स मानवों के बीच में अपना प्रभाव बढ़ाती गईं!

इसी कारण से आज तुम मुझे 'चीफ' के रूप में यहां पर देख रहे हो! और ये रहस्य या तो भारती को पता है या हमारे पूज्य को जो इस युद्ध का संचालन कर रहे हैं!

पर ये काफी नहीं है धनंजय! आज जो पलड़े बराबर नजर आते हैं वे धीरे- धीरे ब्लैक पॉवर्स की तरफ झुक रहे हैं! अगर अभी कुछ न किया गया तो आने वाला युग ब्लैक पॉवर्स का होगा!

कुछ ब्लैक पॉवर्स से मैं भी निपट चुका हूं! पर ये दाल में नमक के बराबर है!

ब्लैक पॉवर्स को जड़ से नष्ट करने का एक ही तरीका है! उनके स्रोत को नष्ट करो! और वही जानने के चक्कर में मैं यहां पर आया था!

पर अभी तक अपनी सारी शक्तियों के बावजूद न तो मैं, न मेरे पूज्य और न कोई और ये जान पाया है...

...कि कहां पर है ब्लैक पॉवर्स का...

केन्द्र
द्वितीय अध्याय
गुरुदेव मान जाओ! संधि कर लो पवित्र शक्तियों से! लड़ाई- झगड़े में सिर्फ विनाश होता है!
दंड मिलेगा। और भीषण मौत होगी इन कायरों की!
चुप रह!
एक तो नागराज और ध्रुव जैसे पवित्र शक्तिधारी हमारा प्रभुत्त्व कम कर रहे हैं और ऊपर से तू मेरी शक्ति को कम कर रहा है!
इन दोनों मूर्खों को भेजा गया था अन्न छीन- कर मानवों का मनोबल तोड़ने के लिए और ये पिटकर आ गए ये सोचकर कि इन्होंने नागराज को हमारा गुलाम बना लिया है!
कच्चाक
इनको दंड दो ताकि फिर कोई हमारा सेवक डरकर पीठ दिखाने की जुर्रत न कर सके!
ऐसी मौत तो सिर्फ वही शख्स दे सकता था-
49

जो खुद क्रूरता का अवतार हो-
ले जाओ इनकी कुचली लाशें और टांग दो हमारे राज्य अलंध्या के मुख्य चौक के बीचो-बीच!
ताकि हर कोई इनको देखे और डरकर भागने से पहले आत्म-हत्या कर ले!
शाबाश क्रूरपाशा!
तेरी इस क्रूरता से ब्लैक पॉवर्स तो क्या पूरा ब्रह्मांड थर-थर कांप उठेगा!
अभी से लोगों ने अपनी इच्छाएं पूरी होती देखकर तेरी पूजा शुरू कर दी है!
अब तेरा कंपीटीशन मानवों से नहीं, सीधा देवताओं से होगा!
क्योंकि भक्ति में महान शक्ति है और तेरे भक्त लगातार बढ़ रहे हैं!
पर हमारे आदमी तो लगातार पिट रहे हैं! न जाने मानवों को कैसे पहले से ही ब्लैक पॉवर्स की भनक लग जाती है!
चाहे अदृश्य रूप में जाएं या गुप्त रूप में, वे पहचान लिए जाते हैं! ऐसा होता रहा तो पवित्र शक्तियों को यहां तक पहुंचने में भी ज्यादा समय नहीं लगेगा!
सवाल विचार करने योग्य है, क्रूरपाशा! आखिर हमारी ब्लैक पॉवर्स पकड़ में क्यों आ जाती हैं! मानव तो उनको देख नहीं सकते!
पर कोई और देख सकता है, गुरुदेव! वह शक्ति जो इस वक्त जिसके पाले में जाएगी, जीत उसी की होगी।

और वह शक्ति इस वक्त उन मानवों के अधिक करीब है जो पवित्र शक्ति के धारक हैं!

नगीना! तू... तूने हमको कैसे ढूंढ निकाला? तू अलंध्या द्वीप की असंख्य बाधाओं को पार करके यहां तक कैसे आ पहुंची?

सही समझे गुरुदेव! नागों के अंदर काली शक्तियों को देख सकने की अद्भुत क्षमता है। वे उनको देख लेते हैं और मानवों को सतर्क कर देते हैं!

पर हमारे आदमियों से तो आज तक न कोई नाग टकराया और न ही नजर आया!

वैसे भी हम तो ब्लैक पॉवर्स को मानवों के बीच में भेजते हैं, नागों के बीच में नहीं!

क्योंकि मैं भी उसी शक्ति का एक हिस्सा हूं और साथ में मैं तांत्रिक भी हूं! एक महान तांत्रिका! मेरे लिए ये बच्चों का खेल है गुरुदेव!

तू भी उसी निर्णायक शक्ति का हिस्सा है नगीना? कहीं तू नागशक्ति की बात तो नहीं कर रही?

यहीं तो तुम धोखा खा रहे हो गुरुदेव! आज भी लाखों इच्छाधारी नाग मानवों के बीच में मानवों के रूप में ही रह रहे हैं। ताकि वे अपनी चमत्कारी शक्तियों से मानवों की प्रगति को दिशा दे सकें! और उनकी परेशानियां दूर कर सकें!

अब तो नाग और मानवों में विवाह भी होने लगे हैं! और उनकी संतानों में भी ब्लैक पॉवर्स को देख सकने की क्षमता है!

अगर वे इतने शक्तिशाली हैं तो सीधे ब्लैक पॉवर्स से क्यों नहीं टकराते?

क्योंकि उनका उद्देश्य मानवों की सहायता करना है! नागशक्ति किसी भी तरफ से नहीं लड़ेगी!

बोलती जाओ नगीना! मैं सुन रहा हूं!

तब तो अगर नाग शक्ति मानवों की मदद करना छोड़ दे तो हमको ब्रह्मांड पर विजय पाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

मैं यही काम करने यहां पर आई हूं। ऐसा वार करने जिसके चलते ही नागशक्ति को ब्लैक पॉवर्स का विरोध करना छोड़ना ही पड़ेगा।

नगीना बोलती चली गई–

और उसकी बात खत्म होने में ज्यादा वक्त नहीं लगा-

जबरदस्त सुझाव है तुम्हारा नगीना! ऐसा होते ही नागशक्ति को मानवों का साथ छोड़ना ही पड़ेगा!

तुम्हारा क्या कहना है, क्रूर पाशा?

म... मैं अभी आकर बताता हूं!

अरे सुन तो!

जब मैंने हां कह दी है तो...

हां! उसके बाद उसके दो रूप और निकले! उसके आलस्य और कायरता के दुर्गुण भी मानव रूप में बाहर आए!

और आलस्य वाला रूप कहां गया?

ये भी रूपाशा है! हमेशा संधि और शांति की बात करता है जो कायरों की निशानी है!

उसको ढूंढना सबसे आसान है! बस खर्राटों का पीछा करो!

क्रूरपाशा बनने से नागपाशा ज्यादा समझदार हो गया है! अब वह तुम्हारा बेवकूफ चेला नहीं रहा!

तुमने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है गुरुदेव!

सच बताऊं तो ये मेरा काम नहीं है! मैं तो सिर्फ नागपाशा के अंदर से आलस्य और कायरता बाहर निकाल रहा था! पर तभी एक उल्का आकर गिरी! एक अजीब सी ऊर्जा उस घोल में समा गई, जिसमें नागपाशा घुला हुआ था! और फिर उसमें से जो पहला नागपाशा निकला वह क्रूरपाशा था!

पहला नागपाशा! यानी और भी नागपाशा निकले?

और तुम सुप्तपाशा तक पहुंच जाओगी!

ये रहा! पिछली बार छः महीने पहले उठा था! तब ये पांच भैंसे एक बार में खा गया था! और फिर सो गया! मैंने शक्ति का इतना बड़ा दुरुपयोग कभी नहीं देखा!

भैंसे तो मनाती होंगी कि ये सोता रहे! पर क्रूरपाशा वापस नहीं आया! वह आखिर गया कहां है?

अपने गर्भ गृह में! जहां पर मेरा जाना तक वर्जित है!

गर्भगृह-
प्रणाम स्वीकार करें महाकालछिद्र! आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता आ पड़ी है!
ब्लैक होल की शक्तियों का साकार रूप हूं मैं! मुझको पहले से तेरी समस्या का पता है मेरे दास!
मान जा नगीना के सुझाव को! मुझको ऐसा लग रहा है जैसे पुरानी कथा फिर से अपने आपको दोहरा रही है!
तब भी ऐसा ही कुछ हुआ था! जब मैंने रावण को ब्लैक होल की पॉवर्स दी थीं!
पर वह त्रेतायुग था! और ये कलियुग है! पवित्र शक्तियां बहुत कमजोर हो चुकी हैं!
इस बार कोई राम तेरा रास्ता नहीं रोकेगा!
क्योंकि राम अब पैदा ही नहीं होते!
जा और शुरुआत कर उस प्रक्रिया की जिससे पूरा ब्रह्मांड, ब्लैक-होल में समा जाए!
आज्ञा का पालन होगा, महाकालछिद्र!
ब्लैक होल- अंधेरी दुनिया की एक ऐसी शक्ति जिसमें सबकुछ समा जाता है-
सिर्फ प्रकाश ही दूर कर सकता है अंधकार को-

और प्रकाश इस वक्त खुद अंधकार में डूबा हुआ था-
अब यहां पर मेरा कोई काम नहीं है! मुझे वापस जाना होगा! वहां पर कोई मेरा इंतजार कर रहा है!
तुम्हारा बेटा ऋषि! और उसकी मां नताशा!
तुमने ये नहीं कहा भारती कि 'तुम्हारी पत्नी नताशा'! यानी तुम जानती हो कि मेरी जिन्दगी में इस वक्त क्या हो रहा है!
तुम एक सेलिब्रिटी हो ध्रुव! और मैं एक न्यूज चैनेल वाली हूं! इतनी खबर तो हमारे पास रहती ही है!
वैसे सच कहूं कि जब सालों की डेटिंग के बाद तुमने नताशा से शादी की थी तो मुझे ऐसा लगा था कि तुम दोनों सात तो क्या साठ जन्मों तक एक साथ रहोगे। पर यहां तो साठ महीनों में ही कहानी बदल गई! मुझे ये भी पता है कि कल फैमिली कोर्ट में नताशा डाइवोर्स की एप्लीकेशन फाइल करने वाली है!
लेकिन ऐसा हुआ क्यों? नताशा तो एक समझदार लड़की है! तुमसे प्यार भी करती है! फिर ये स्थिति क्यों आई?
रोबो के कारण!
रोबो काफी सुधर गया था! इसीलिए उसका हमारे घर आना-जाना बढ़ गया था! नताशा को भी अपने पिता से मिलकर अच्छा लगता था! पर जब से ब्लैक पॉवर्स का प्रभुत्व बढ़ा है तबसे रोबो भी बदल गया है! वह फिर से हत्यारा रोबो बन गया है!
और ऐसे शख्स से मेरा परिवार मेलजोल नहीं रख सकता! मैं नहीं चाहता कि मेरा बेटा अपने नाना से मिले और उसकी संगत में रहे! पर नताशा इसका उल्टा चाहती है!
उसका कहना है कि जब वह रोबो की संगत में रहकर भी सुधरी रही तो उसका बेटा क्यों बिगड़ेगा?
इसी कारण से वह मुझसे अलग होकर हमारे बेटे की कस्टडी लेना चाहती है ताकि वह रोबो से मिलता रह सके!

लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा! चाहे मेरी सारी दौलत चली जाए, पर मैं अपने बेटे को रोबो के पास जाने नहीं दूंगा!
बेस्ट ऑफ लक, ध्रुव!
थैंक्स, भारती...
आऽऽऽह!
कौन है?
सौडांगी!
शीतनाग!
और भी इच्छाधारी नाग हैं! सौडांगी! शीतनाग!
ये जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं!
और ये सब नागराज के शरीर से बाहर निकल रहे हैं!
पर क्यों?
ये नागराज का शरीर छोड़कर क्यों जा रहे हैं? कहीं नागराज...
ओ नो! नो गॉड नो! प्लीज गॉड नो!
घबराओ मत भारती! इनको नागराज के अंत का आभास नहीं हो रहा है!
कारण कुछ और ही है!

तुम हमेशा की तरह सही समझे हो ध्रुव! ये नागराज के अंत का संकेत नहीं बल्कि नई शुरुआत का संकेत है!

बाबा गोरखनाथ! आप... और यहाँ पर!

मैं इनकी ही बात कर रहा था ध्रुव! वो जो हमारे भी पूज्य हैं और तुम्हारे भी!

ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ इस युद्ध का संचालन इनके ही हाथ में है!

ये कहानी तो और जटिल होती जा रही है! जब तक आप मुझे शुरू से नहीं बताएंगे मुझे कुछ समझ में नहीं आएगा!

तो सुनो! इस कहानी की शुरूआत दो साल पहले उस सुप्रीम ब्लैक पॉवर ब्लैक होल यानी महाकाल छिद्र के पृथ्वी पर आगमन के साथ शुरू हुई जो अनंतकाल से एक धूमकेतु पर सवार होकर ऐसे उर्वर ग्रहों को ढूंढता रहता है जिसके अंदर वह अपने पाप के बीज को रोप सके!

ऐसा उसने त्रेता युग में भी किया था! और उस पाप के बीज से जो अंकुर फूटा था, उसको आज तुम रावण के नाम से जानते हो!

अब कई लाख वर्षों के बाद धूमकेतु की लाखों प्रकाश वर्ष लंबी परिक्रमा उसको एक बार फिर से पृथ्वी पर ले आई थी! और इस बार वह और शक्तिशाली होकर आया है! उसके आने से पृथ्वी पर लाखों वर्षों से सोई कई ऐसी ब्लैक पॉवर जाग उठी हैं जो रावण के वध के बाद युग निद्रा में चली गई थीं!

यह एक संयोग था कि ब्लैक पॉवर्स का पहला शिकार शायद नागराज ही था!

पर यह संयोग महाकाल छिद्र के लिए बहुत शुभ सिद्ध हुआ!

क्योंकि अगर नागराज होश में रहता तो ब्लैक पॉवर्स इतनी जल्दी पृथ्वी पर अपना जाल नहीं फैला पातीं!

नागराज नागपाशा की तलाश में गया था। जब काफी समय तक नागराज वापस नहीं आया तो इसकी तलाश में खोजी दस्ता गया। और जब नागराज उनको मिला तो वह तुम्हारे विज्ञान के अनुसार मृत था! पर सत्य यह था कि इसके शरीर में इतनी अधिक मात्रा में काली शक्ति भरी थी जो लाखों मानवों को एक साथ मार सकती थी! नागराज पर ब्लैक पॉवर्स का हमला हुआ था।

अब तक तो हमने किसी तरह से संतुलन बनाए रखा है! पर अब बाजी काली शक्तियों की तरफ जा सकती है! और अब उनको सिर्फ नागराज ही रोक सकता है!

और इसमें उसको तुम्हारी मदद चाहिए होगी, ध्रुव!
मैं तो ब्लैक पॉवर्स को जितना रोक सकता हूं उतना पहले से ही रोक रहा हूं!
पर ये संग्राम करेगा कौन? अकेले मैं?
नागराज तो बेहोश है और उसकी कई सर्प शक्तियां भी जा चुकी हैं!
छोटी-छोटी चंद लड़ाइयां जीतकर ब्लैक पॉवर्स खत्म नहीं होंगी ध्रुव! और वैसे भी अभी तक हमारा और तुम्हारा पाला कमजोर काली शक्तियों से पड़ा है! शक्तिशाली ब्लैक पॉवर्स पर तुम्हारे या धनंजय के वैज्ञानिक हथियार भी बेकार सिद्ध होंगे!
अब ये लड़ाई युद्ध में परिवर्तित होगी! अब आर या पार का संग्राम होगा!
अब जो मैं करने जा रहा हूं, उससे नागराज भी उठेगा और सर्प शक्तियां भी वापस आएंगी!
अब तक मैं इस बात का इंतजार कर रहा था कि नागराज का शरीर स्वयं ही ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ प्रतिरोधक शक्ति पैदा कर ले! ऐसा उसने काफी हद तक कर भी लिया है! पर अब और समय नहीं है!
मुझे अपनी पवित्र शक्तियों से इसके शरीर में बची ब्लैक पॉवर्स को नष्ट करना होगा!
उससे मैं जरूर कमजोर हो जाऊंगा, पर नागराज जाग जाएगा!
आऽऽऽऽऽ ऊऽऽऽम!
नागराज के शरीर की ब्लैक पॉवर्स को पवित्र शक्तियां उसी तरह से काटने लगीं-

जैसे साबुन मैल को धो डालता है-
मैं... मैं कहां हूं ?
ओ नागराज ! दो साल बाद ! दो साल बाद तुम्हारी आवाज सुनी है मैंने ! पर लगता है जैसे कि दो युग बीत गए हों !
भारती ! मैं दो सालों तक सोया रहा ?
और... और ध्रुव, धनंजय... और बाबा गोरख नाथ भी यहां पर हैं !
प्रणाम गुरुदेव !
ये सब क्या हो रहा है ?
और नागपाशा कहां है ?
नागपाशा ?
हां, गुरुदेव ! नागपाशा रावण बन गया है ! दस सिरों वाला रावण !
उसने अचानक मुझ पर वार किया और मैं उसके सामने टिक नहीं पाया !
ओह ! अब मुझे समझ में आया कि नागपाशा ऐसी चाल क्यों चल रहा है ?
कैसी चाल गुरुदेव ?
रास्ते में बताऊंगा ! समय बहुत कम है नागराज, ध्रुव ! तुम दोनों मेरे साथ चलो ! तुरन्त !
पर बाबा ! अभी तो नागराज जागा है ! कुछ पल तो मुझे इसके साथ बिता लेने दीजिए !
एक पल का भी वक्त नहीं है भारती ! बहुत तैयारी करनी है !
अगर नागपाशा अपनी चाल में सफल हो गया तो सिर्फ वह तैयारी ही हमें बचा सकती है !
चलो !

लेकिन मैं आपके साथ अभी नहीं जा सकता गुरुदेव! अगर मैं आपके साथ चला गया तो शायद अपने बेटे को खो दूंगा!
अगर चलोगे तो तुम 'शायद' अपने बेटे को खो दोगे! लेकिन अगर नहीं चलोगे तो 'अवश्य' खो दोगे! और साथ में लाखों वे दूसरे लोग भी अपनी संतानें और जानें खो देंगे जिनकी सुरक्षा का बीड़ा तुमने उठाया हुआ है!
ब्लैक पॉवर्स किसी को नहीं छोड़ेंगी!
आपकी बात सही है, गुरुदेव! मैं चलूंगा आपके साथ!
लेकिन हमारी अनुपस्थिति के कारण ब्लैक पॉवर्स के हौसले और बढ़ जाएंगे!
इन मामूली हमलों से निपटने के लिए हमने तैयारी कर ली है!
हमने ऐसे युवाओं की एक सेना तैयार कर ली है जो छोटी ब्लैक पॉवर्स से निपटने की अद्भुत शक्ति रखते हैं!
अब चलो! बातों में पहले ही बहुत समय व्यर्थ हो चुका है!
हम कहां जा रहे हैं?
और उससे भी बड़ा सवाल कि क्यों जा रहे हैं?
हम 'आयुधक्षेत्र' में जा रहे हैं! वहां पर तुमको ऐसे शस्त्रों से परिचित कराया जाएगा जो विज्ञान की सीमा से परे हैं! शक्तिशाली ब्लैक पॉवर्स को सिर्फ वे हथियार ही रोक सकते हैं! पर उनको साधना आसान कार्य नहीं है और हमारे पास समय कम है!
तब तक तुम नागराज को यह बताओ, ध्रुव कि उसकी बेहोशी के दौरान क्या-क्या घटित हो चुका है!
समय की सीमा नजदीक आ रही है–

क्योंकि ब्लैक पॉवर के शहंशाह क्रूरपाशा ने अपना मोहरा आगे बढ़ा दिया है!
अब तुझे ब्रह्मांड सम्राट बनने से कोई नहीं रोक सकता!
क्योंकि काली शक्तियों के साथ-साथ अब नागशक्ति भी तेरी गुलाम बनने वाली है!
तेरे सामने ब्रह्मांड का कोई योद्धा टिक नहीं सकता!
मुझे पता है, गुरुदेव!
और अब ब्रह्मांड सम्राट से 'तू' और 'तुम' कहकर बात करना बंद करो!
शाबाश चेले!
गुरू को ही उपदेश दे डाला!
पर चालें दूसरी तरफ से भी चली जा रही थीं-
ये 'आयुध क्षेत्र' है! पर मुझे तो कहीं कुछ नजर नहीं आ रहा है!
आएगा! धीरज रखो!
पवित्र आयुध! दर्शन दें!
अद्भुत!
वाह!
ये तो एक पूरी महासेना के हथियार हैं!

नहीं, नागराज ! इनमें से हर एक आयुध एक पूरी महासेना को नष्ट करने की क्षमता रखता है !
ये आयुध 'ध्वनि संचालित' हैं ! यानी ये मंत्रों के द्वारा ही जागृत और नियंत्रित होते हैं !
इनकी प्रतिलिपि यानी 'कॉपी' भी बन सकती है ! पर उनकी विनाश क्षमता कई गुना कम होती है !
युद्ध में तुमको ये निर्णय लेना होगा कि कब तुम प्रतिलिपि का प्रयोग करके आयुध को अपने पास बनाए रखोगे या असली का प्रयोग करके उसको हमेशा के लिए खो दोगे !
गुरू द्रोण ! कहीं ये महाभारत काल वाले द्रोणाचार्य तो नहीं ?
और ये हैं द्रोण जो तुमको इन आयुधों का प्रयोग करना सिखाएंगे !
ये उनका ही 'मानव-संगणक' है ! यानी द्रोणाचार्य का 'जैविक रोबोट' ! इसके अंदर उनका सारा ज्ञान भरा हुआ है ! अब ये तुम पर निर्भर करता है कि तुम इस ज्ञान को कितनी जल्दी सीख लेते हो !
अब हमारे पास सिर्फ तीन दिन और दो प्रहरों का समय है !

श्री गणेश करने से पहले एक सवाल का जवाब दीजिए बाबा! जब मेरी मृत्यु करीब नहीं थी तो मेरे पुराने दोस्त, वे सारे इच्छाधारी सर्प मेरा शरीर छोड़कर कहां गए?
वहां पर जहां उनका कर्तव्य उनको बुला रहा था! और हमारी मंजिल भी वहीं है!
ये जवाब तो पहेली जैसा है!
सत्य जल्दी ही सामने आ जाएगा!
उतावले मत हो नागराज! द्रोण आयुध शिक्षा आरंभ करें!
आइए! सबसे पहले हम पवित्र शक्ति से परिपूर्ण इन आयुधों को प्रणाम करेंगे।
पवित्रो आयुधानहो...
आयुध शिक्षा शुरू हो रही थी-
और इसके प्रयोग का मौका भी जल्दी ही सामने आने वाला था-
कुमारी विसर्पी! कुमारी विसर्पी!
क्या बात है, विषेशी! इतनी घबराई क्यों है! क्या मूलक्षेत्र पर ब्लैक पॉवर्स ने हमला कर दिया है? हूंऽऽऽ
हां, कुमारी विसर्पी! क्रूरपाशा का यान मूलक्षेत्र पर मंडरा रहा है!
क्या?
उनको यहां का पता कैसे मिला? उनको रोका जा रहा है या नहीं?
उनके साथ नगीना भी है! यहां का पता अवश्य उसी ने बताया होगा!
हमारी सेना ने उनको रोका हुआ है! पर उनका कहना है वे युद्ध के लिए नहीं आए।
फिर वे मूलक्षेत्र में किसलिए आए हैं?

"प्रतियोगिता के लिए-"
परन्तु इस प्रतियोगिता के लिए आपको निमंत्रण नहीं दिया गया है! इसलिए आप शांतिपूर्वक वापस चले जाएं!
प्रतियोगिता के नियम पन्द्रह के अनुच्छेद पांच के अनुसार कोई भी विषधारी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकता है! और सम्राट क्रूरपाशा में तो देव कालजयी का महाविष है!
वे इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं!
इनका कहना सही है! नियमों के अनुसार हम इनको रोक नहीं सकते!
आइए! आपका स्वागत है, क्रूर पाशा!
मेरा काम खत्म हुआ! मैं चलती हूं! क्योंकि मेरी जरूरत अब कहीं और है!
अनर्थ हो गया है विसर्पी! क्रूरपाशा के रहते कोई और इस प्रतियोगिता को जीत नहीं सकता!
परन्तु अगर ऐसा हो गया तो नागजाति को ब्लैक पॉवर्स का साथ देना ही होगा!
नागजाति अपने संबंधियों के विरुद्ध नहीं जा सकती!
तो क्या इस प्रतियोगिता को रोक दिया जाए?
प्रतियोगिता जब भी होगी, यही होगा अमात्य!

और वैसे भी इस प्रतियोगिता के लिए और भी प्रतियोगी पधार चुके हैं! हम इस प्रतियोगिता को रोक नहीं सकते!
फिर क्या होगा? क्या ये ब्रह्मांड हमारे कारण तबाह होगा!
अब कुछ नहीं हो सकता, अमात्य! इस तबाही को सिर्फ भगवान ही रोक सकते हैं!
"पर वे बार-बार अवतार नहीं लेते-"
ऊर्जायुधों में तुम दोनों निपुण हो चुके हो!
अब तत्त्वायुधों की बारी है! वे अस्त्र जो पंचतत्त्वों की शक्ति के प्रयोग से चलते हैं!
आप ठीक तो हैं न बाबा गोरखनाथ?
हां, द्रोण! नागराज की काली शक्तियों को नष्ट करने के लिए मैंने जो पवित्र शक्तियां दी हैं, उसके कारण मुझे कमजोरी महसूस हो रही है! मुझसे अब ये युद्ध नहीं लड़ा जाएगा!
अब ये दोनों ही ब्रह्मांड की एक-मात्र उम्मीद हैं!
बाबा गोरखनाथ ने इन दोनों को चुनकर कोई गलती नहीं की थी-
क्योंकि शिक्षा कठिन और समय कम होने के बावजूद-

दोनों ही तत्त्वायुधों पर अपने अद्भुत नियंत्रण का प्रदर्शन कर रहे थे-
अति उत्तम ! तत्त्वायुधों पर तुम दोनों ने काफी हद तक नियंत्रण पा लिया है !
अब तुमको और भी ज्यादा शक्तिशाली आयुधों पर नियंत्रण पाना सीखना है !
और भी शक्तिशाली ? यानी ऐसे आयुध भी हैं जो प्रकृति की इन शक्तियों से भी अधिक विनाशकारी हैं !
हां ! और वे हैं देवायुध !
जैसे ब्रह्मास्त्र और गुरुत्वास्त्र ! इनमें से हर आयुध में ब्रह्मांड को कई बार नष्ट कर सकने की क्षमता है ! इनका प्रयोग अत्याधिक आवश्यकता पड़ने पर ही करना चाहिए...
... अब हम इनके संधान के बारे में सीखेंगे !
अति उत्तम ! पहली ही बार में इतना सफल संधान !
मुझे विश्वास हो गया है कि काली शक्तियां तुम दोनों के सामने टिक नहीं पाएंगी !
इस विश्वास की अभी परीक्षा हो जाएगी !
क्योंकि तुम दोनों इस 'आयुध क्षेत्र' से जिन्दा बाहर नहीं जाओगे !
ओफ़ ! यानी काली शक्तियां तुम पर नजर रखे हुए थीं !
कौन है ये ?
काली शक्तियों का एक शक्तिशाली योद्धा शिलाजीत !
शिलाएं ही इसका शरीर हैं और शिलाएं ही इसकी शक्ति !
और इसने आज तक कोई युद्ध नहीं हारा है !
इसका जिन्दा होना ही इस बात का सबूत है !

पर आज के बाद इसका निशान भी नहीं होगा!
ऊर्जायुधों, प्रकट हो!
हाऽऽऽह! ऊर्जायुध! गुदगुदी मत कर! ठीक से लड़!
हमको और शक्तिशाली आयुध चाहिएं!
प्रकृति की शक्तियों से भरपूर तत्त्वायुध!...
...प्रकट हो!
तडितास्त्र की अरबों वोल्ट की बिजली इसके चट्टानी शरीर को चूर कर देगी!
और जोर लगाओ! व्यवास्त्र की वायु मुझसे टकराकर बिखर जाएगी और आग्नेयास्त्र जब तक मुझे गला पाएगा...
... तब तक तुम दोनों खुद मिट्टी में मिल चुके होगे!
हाहा यही सीखा है अपने गुरू से?
शिलाएं पृथ्वी का अंग हैं! और पृथ्वी में ऊर्जा को सोखने की अद्भुत क्षमता है!
ओफ्! देखा तुम दोनों ने? आयुध से ज्यादा महत्त्वपूर्ण होता है उसके प्रयोग का तरीका!
अब क्या देवास्त्रों का प्रयोग करोगे?
अभी वह स्थिति नहीं आई है गुरु द्रोण!
पर तुम्हारे पास समय कम है! उनका प्रयोग क्या मरने के बाद करोगे?
नहीं! आपकी शिक्षा पर अमल करेंगे!
आयुध बदलेंगे और उनके प्रयोग की रणनीति बनाएंगे!
कंपनास्त्र! प्रतिलिपियां बनाओ!
दर्जनों प्रतिलिपियां शिलाजीत में समाने लगीं-
66

और शिलाजीत के शरीर में कंपनास्त्रों ने भूकंप पैदा कर दिया-
नागराज के सधे हुए वारों ने चट्टानों को दुबारा जुड़ने का मौका नहीं दिया-
उसके चट्टानी शरीर से टुकड़े अलग होने लगे-
नागराज! अब तुम्हारी बारी है!
लीजिए, गुरू द्रोण!
खत्म हो गई शिलाजीत नाम की काली शक्ति!
सचमुच!
सचमुच?
ओह! अब ये कहां से आ रहे हैं?
ये शिलाजीत के मुंह से निकल रहे हैं! शायद ये शिलाजीत के शरीर में रहने वाली शक्तियां हैं!
ये एक और सबक है! युद्ध जीतकर भी असावधान मत रहो!
इनके आयुध भी हमारे जैसे ही हैं!

ओफ़ ! ये धूल का गुबार !
यहां !
कुछ नजर नहीं आ रहा है !
तुम कहां हो ध्रुव !
यहां !
अरे, एक साथ तीन स्थानों से जवाब !
यहां !
अरे ! यहां तो कई ध्रुव हैं !
और कई नागराज भी हैं !
ये काली शक्तियों की एक और शक्ति है ! छद्म युद्ध ! अब ये कैसे पता चलेगा कि नकली असली को मार रहे हैं या असली नकली को !
महाभ्रम पैदा हो रहा था-
और ये स्थिति शिलाजीत के हमले से भी ज्यादा विकट थी-
अरे, मैं असली ध्रुव हूं !
पवित्र आयुध लुप्त हों !
अब तो असली और नकली का पता करना ही पड़ेगा ! और इसका एक आसान सा तरीका है !
सभी यही कर रहे हैं !
अरे ! मेरे आयुध लुप्त हो रहे हैं !
यानी तुम असली नागराज हो !

क्योंकि असली आयुध लुप्त हो गए हैं, पर नकली आयुध नहीं!
अब जो आयुध धारण किए हुए हैं, वे नकली नागराज और ध्रुव हैं!
अच्छा तरीका अपनाया तुमने!
पर अब तो तुम्हारे पास आयुध हैं नहीं! अब इनका मुकाबला कैसे करोगे?
इनके लिए उसकी नागशक्तियां ही काफी हैं!
अभी भी एक महाशक्तिशाली आयुध हमारे पास है गुरू द्रोण!
नागराज!
और इनसे निपटने के लिए इसको आयुधों की जरूरत नहीं है!
ये तो ठीक कहा तुमने! और साथ ही साथ इसके अंदर ब्लैक पावर्स के खिलाफ प्रतिरोधक शक्ति भी विकसित हो चुकी है!
तुमने यह युद्ध जीत लिया शिष्यो!
यानी मेरी परीक्षा में तुम दोनों शत प्रतिशत अंकों से सफल रहे हो!
परीक्षा! यानी ये एक परीक्षा थी!
बिल्कुल! अब तुम दोनों काली शक्तियों का सामना करने के लिए तैयार हो!
चलो, ये खुशखबरी बाबा गोरखनाथ को सुनाएं!

इन दोनों ने आयुध विद्या में पूर्ण निपुणता हासिल कर ली है! अब ये दोनों ब्लैक होल तक का सामना करने के लिए तैयार हैं, बाबा गोरखनाथ!
तुमने दो सालों तक शीतनिद्रा में रहकर ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ एक प्रतिरोधक शक्ति पैदा कर ली है नागराज! अब छोटी-मोटी ब्लैक पॉवर्स तुम पर यूं ही बेअसर रहेंगी! और शक्तिशाली ब्लैक पॉवर्स से निपटने के लिए ये आयुध तुम दोनों के पास हैं!
...ये वस्त्र चाहिए!
अरे! सारे आयुध वस्त्रों में समा रहे हैं!
हमारे पास? इनको हम अपने पास कैसे रखेंगे? इनको ले जाने के लिए ही दस कंटेनर चाहिए!
नहीं, ध्रुव! इन आयुधों को ले जाने के लिए तुमको सिर्फ...
हां, ध्रुव! अब ये आयुध हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगे! ये वस्त्र ही तुम्हारी आयुधशाला है! पर मैं जानता हूं कि तुम बिना इन आयुधों के भी ब्लैक पॉवर्स को मात देने की क्षमता रखते हो! और इसलिए नागराज को हमेशा तुम्हारी जरूरत रहेगी!
तुमको चुनने का भी यही कारण है! अब चलो!
हमारी अगली मंजिल मूलक्षेत्र है!
मूलक्षेत्र! ये क्या है? और वहां पर क्या होने वाला है?

स्वयंवर तृतीय अध्याय
विसर्पी का स्वयंवर!
... और ये स्वयंवर तुमको जीतना है, नागराज!
तुम्हारे शरीर के इच्छाधारी सर्प भी यहीं आए हैं! परम्परा के अनुसार उनका राजविवाह में शामिल होना आवश्यक है!
ये... ये आप क्या कह रहे हैं, बाबा गोरखनाथ! विसर्पी मुझसे नफरत करती है, और वैसे भी मैं एक शादीशुदा इंसान हूं!
ये स्वयंवर तुमको न अपने लिए जीतना है, और न ही विसर्पी के लिए! ये तुमको जग कल्याण के लिए जीतना है! तुमको विसर्पी से विवाह करना है नागराज!
नागराज आया है कुमारी विसर्पी!
वो शख्स जिससे मैं नफरत करती हूं! जिसकी पहली संतान अभी भी दूसरे आयाम में जवान हो रही होगी! जिसने मुझको नजरअंदाज करके भारती से विवाह कर लिया!
पर वही हमारी आखिरी उम्मीद है! अगर क्रूरपाशा को कोई मात दे सकता है तो सिर्फ नागराज!
इधर कुआं है तो उधर खाई! और निर्णय मुझे नहीं भाग्य को करना है!
देखते हैं कि ईश्वर को क्या मंजूर है!
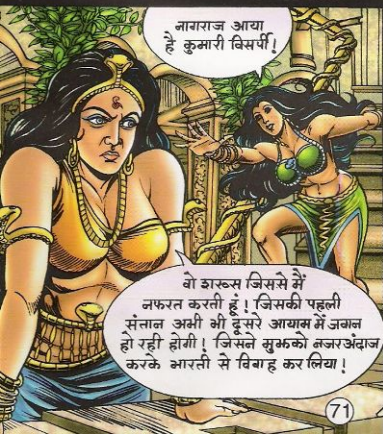
इस स्वयंवर पर ब्रह्मांड का भविष्य टिका था-
नागराज
प्रतियोगी वेधशाला में पधारें!
स्वयंवर का शुभारंभ कुछ ही पलों में होने वाला है!
नागपाशा! जो अब... शायद क्रूरपाशा बन गया है!
मैं इस लड़ाई को अभी और यहीं खत्म कर देता हूं!
रुक जाइए! ये मूलक्षेत्र है! एक निष्पक्ष क्षेत्र! यहां पर कोई युद्ध नहीं होगा! वैसे भी ये स्वयंवर की शुभ घड़ी है!
आप दोनों महानुभाव अपने-अपने स्थानों पर पधारें!
एक युद्ध मूलक्षेत्र में लड़ा जा रहा था-
पिछली बार शायद मुझसे कुछ कसर रह गई थी! तभी तू जिन्दा बच गया!
पर इस बार मैं तुझे राख में बदलकर ही छोड़ूंगा!

और दूसरा अंडरग्राउंड सिटी राजनगर की फैमिली कोर्ट में-
आप पिछले 35 साल से वकालत कर रहे हैं, मिस्टर सोम! आपको इतना तो पता होना ही चाहिए कि डाइवोर्स या सेपेरेशन के केसेज की सुनवाई या फैसला तभी होता है जब दोनों संबंधित पक्ष उपस्थित हों!
यहां पर आपकी क्लाइंट मिसेज नताशा हैं पर मिस्टर ध्रुव नहीं हैं! कोर्ट तीन महीने बाद फिर इस केस की सुनवाई करेगी...
... और तब भी अगर मिस्टर ध्रुव यहां पर उपस्थित नहीं हुए तो जजमेंट सुना दिया जाएगा!
कुछ और कहना है आपको?
जज क्या कह रहे हैं वकील साहब? अगर ध्रुव आ गया तो शायद फैसला मेरे पक्ष में न हो! कुछ भी कीजिए! फैसला आज ही होना है!
अ... मीलॉर्ड, मेरी मुवक्किल इंतज़ार करने को तैयार हैं!
आप हमको अगली तारीख दे दें!
श श श! धीरे बोलिए मैडम! मैं कानून नहीं बनाता हूं! मैंने तो कोशिश की!
अब अगर ऐसा कोई लॉ ही नहीं है तो इंतज़ार करना ही होगा!
एक मिनट मीलॉर्ड!

मैं इस केस के बारे में कुछ कहना चाहती हूं!
आप कौन हैं और इस केस से आपका क्या संबंध है ?
मेरा नाम गीना है मीलॉर्ड! मैं एक एडवोकेट हूं! ये मेरे डॉक्युमेंट हैं! और मेरा मकसद अपनी साथी महिलाओं को न्याय दिलाना है!
पेपर्स तो ठीक हैं! अब आप क्या चाहती हैं?
मिसेज नताशा से दो मिनट बात करना!
इजाजत है!
तुम ये केस जीतना चाहती हो, नताशा? अभी और यहीं!
बिल्कुल! पर उसके लिए मुझे क्या करना होगा?
मुझे अपना वकील बना लो! तुरन्त!
ओ. के.!
यू आर फायर्ड मिस्टर सोम!
अब मिस गीना मेरी नई वकील हैं!
थैंक्यू नताशा! तो क्या मैं अपनी बहस शुरू कर सकती हूं मीलॉर्ड!
प्लीज, प्रोसीड!

मीलॉर्ड, बेंच ने यूनिवर्सल पीनल कोड की धारा 254 सब सेक्शन 29 A के अंतर्गत मेरी मुवक्किल को इंसाफ देने से इंकार कर दिया है!
और ये गलत है! क्योंकि ऐसे केसेज का फैसला पहले भी हो चुका है!
मैंने आपको पहली बार इस कोर्ट में देखा है मिस गीता! और शायद ये आपका पहला केस है! इसलिए आपको कानून की जानकारी जरा कम है!
मुझे कानून की किताबें जबानी याद हैं। और ऐसे केसेज में कोई जजमेंट आज तक नहीं हुआ है!
एक नहीं, ऐसे कई केसेज हैं मीलॉर्ड! 15 अप्रैल 1995 मिसेज फाली वर्सेज मिस्टर फाली! केस नंबर 225A/4/925! मिस्टर फाली के कोर्ट में अनुपस्थित रहने पर भी इसी कोर्ट ने दो बच्चों की कस्टडी मिसेज फाली को दी थी!
सेकेंड केस 19 सितंबर 2020 मिसेज पटाया वर्सेज मिस्टर पटाया! केस नम्बर 3290 ZP/11/1903! वह केस भी इसी कोर्ट में आया था! और फैसला मिसेज पटाया के पक्ष में सुनाया गया था!
कानून की किताबों में ऐसा एक भी केस नहीं है!
आप पुराने केसेज देख सकते हैं, मीलॉर्ड!
सचमुच! ये दोनों केसेज हैं! पर मैंने इन केसेज को पहले कभी देखा क्यों नहीं?
एक मिनट! एक मिनट! 2020! यानी सिर्फ पांच साल पहले! फिर ये केस मुझे याद क्यों नहीं है?

खैर! अगर प्रीसीडेंस मौजूद है तो उसके आधार पर ये कोर्ट इस केस का फैसला मिसेज नताशा के पक्ष में सुनाती है!
आज से मिसेज नताशा मिस्टर ध्रुव से अलग रह सकेंगी और बच्चे की होल एंड सोल गार्जियन भी वही रहेंगी! केस डिसमिस!
कमाल कर दिया तुमने गीना! बताओ कितने का चेक काटूं? या कैश दे दूं! बोलो, बोलो!
तुम तो मेरे लिए... बस भगवान बनकर आ गईं!
ये काम तो मैं सिर्फ पुरुषों का घमंड तोड़ने के लिए करती हूं! और इस काम के लिए मैं फीस नहीं लेती हूं!
कुछ और मांगो गीना! कुछ भी! एनी थिंग!
अभी मिला नहीं है! पर मिलेगा जरूर!
इस ब्रह्मांड का राज जो नगीना को हमेशा से चाहिए था!
जरूरत पड़ी तो मांग लूंगी! पर तब पीछे मत हट जाना!
ये नताशा की जबान है! और नताशा जबान देकर पलटती नहीं है!
प्रॉमिस?
प्रॉमिस!
पर मुझे अभी भी समझ में नहीं आ रहा है कि केस जीतकर तुमको क्या मिला?
गाथा जारी है- ग्रहण काण्ड में!
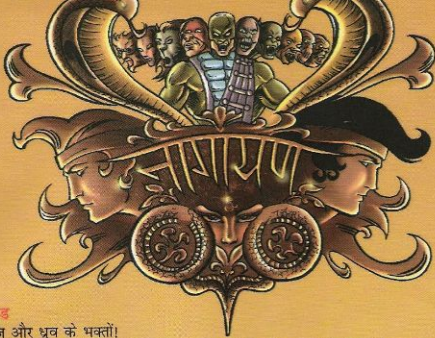
वरण काण्ड

प्यारे नागराज और ध्रुव के भक्तों!

बहुत बड़ी चुनौती थी। आपसे कह तो दिया था कि बेहतरीन कॉमिक्स दूंगा। **फुंकार** दी, **सर्वनाश** दी। आपको यह दोनों कॉमिक्स पसंद भी बहुत आईं। दोनों की ही कथा, चित्र व कलर्स की आपने बहुत प्रशंसा की कुछ राज कॉमिक्स प्रेमी जो राज कॉमिक्स के निम्न स्तरिय होने से बहुत आहत थे। आपने उन्हें जवाब भी दिए कि राज कॉमिक्स का स्तर सुधर रहा हैं जल्दी ही विश्वस्तरीय हो जाएगा। कमाल है आपको इतने थोड़े से प्रयास में इतना जबरदस्त विश्वास है। या शायद आप अपने दिल को तसल्ली दे रहे थे। विश्वस्तरीय बना पाऊंगा या नहीं मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहता। हां, राज कॉमिक्स को एक ध्रुव तारा बनाने का प्रयास अवश्य करूंगा जो कि पूरे आकाश में अकेला ही होता है। यही लक्ष्य लेकर चला हूं। सफल होने के लिए चाहिए दृढ़ संकल्प, दृढ़ इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और कुछ राज कॉमिक्स प्रेमियों का सहयोग। यह चारों चीजें अभी मेरे साथ हैं। हां सहयोग जितना मिलता जाएगा मंजिल तेजी से करीब आएगी।

बात कर रहा था चुनौती की। चुनौती किसी भी जीवित प्राणी के लिए सबसे अहम वस्तु है। शेर में अगर अपने शिकार को पकड़ने की चुनौती ना होती तो वो इतना ताकतवर ना होता। हिरण को अगर शेर का शिकार होने से बचने की चुनौती ना होती तो वो इतना तेज व चपल धावक ना होता। आप देखेंगे कि हर चीज को दृढ़ता सिर्फ चुनौती ही देती है जिसके जीवन में चुनौती नहीं या जो चुनौती स्वीकार नहीं करता वो कमजोर ही होगा और कमजोर ही रहेगा। हमने नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव को लेकर एक नई रामायण बनाने की चुनौती स्वीकार की और हम दिलो-दिमाग, तन-मन से इस शिखर प्रोजेक्ट को उम्दा बनाने पर जुट गए। हमारी तकरीबन रोज ही नागायण पर मीटिंग्स होती रहीं और इसमें नए-नए आयाम जुड़ते गए। नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव के जीवन के कुछ सालों का पूरा इतिहास व भविष्य बनाना कोई आसान काम ना था। अनुपम सिन्हा जी, जॉली सिन्हा जी, मनीष जी, मनोज जी, विवेक जी हम सभी ने मिलकर इसमें मेहनत की। लेकिन 99 प्रतिशत मेहनत केवल और केवल इस सदी के महानतम कॉमिक लेखक अनुपम सिन्हा जी व जॉली सिन्हा जी की ही है।

किसी भी कॉमिक का सबसे अहम, सबसे पहला हिस्सा कहानी ही होता हैं चित्रकार कितना भी अच्छा हो उसे भी अपने चित्रों को चित्रकथा बनाने के लिए कथा कि जरूरत पड़ेगी ही यह दुर्भाग्य है या विडम्बना कि चित्र कथा में कथा बाद में जुड़ता है जबकि मेरी नजर में इसे कथा चित्र लिखा जाना चाहिए कथा को कहते चित्र ना कि चित्रों में कही गई कथा।

नागायण का केनवस बहुत वृहत था। इसके चार खण्ड प्लान किए गए **वरण काण्ड**, **हरण काण्ड**, **दहन काण्ड** व **समर काण्ड**। किंतु प्रथम खण्ड पूरा होते-होते यह प्लानिंग चरमरा गई। कथा में इतनी रोचक-रोचक घटनाएं जुड़ती चली गईं कि **वरण काण्ड** में पूरी तरह से वरण भी ना हो सका तो **हरण काण्ड** में हरण कैसे होता। तो इसलिए बीच में जोड़ा गया **ग्रहण काण्ड**। जिसमें होगा वरण भी और लगेगा ग्रहण भी।

हुआ यूं कि **वरण काण्ड** में वरण कराने के लिए अनुपम जी ने कुछ जरूरी घटनाओं को जो कि बहुत रोचक बन

सकती थीं दो-चार फ्रेम्स में ही लिख दिया जैसे नागराज से भारती की शादी जो केवल उन्होंने संवाद में ही बता दी। मुझे लगा नहीं नागराज की शादी के तो चित्र होने चाहिए तो भारती और नागराज की शादी के लिए तीन पेज बनाए गए। फिर आया आयुधक्षेत्र तो वह भी एक पेज का ही सिक्वेंस बनाया गया था। मुझे लगा कि नहीं आयुध क्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण प्रसंग को उसके महत्व के अनुसार नहीं दिखाया गया तो उसे भी छः पेज और दिए गए। हां नताशा और ध्रुव की शादी हम नहीं दिखा सके। वह आगे जरूर दिखाएंगे, लेकिन आपकी बहस कि ध्रुव की शादी रिचा से होनी चाहिए या नताशा से इस पर विराम लग गया हो ऐसा नहीं है क्योंकि शादी हुई तो हो गया तलाक भी। और यह तो आप सभी जानते हैं कि रिचा भी ध्रुव से बेइंतिहा प्यार करती है।

वरण काण्ड को लेकर आप लोगों की बड़ी गरमा-गरम बहस चल रही थी कि नागराज भारती से विवाह करेगा या विसर्पी से। तो वरण काण्ड में आपने जाना कि नागराज तो भारती से विवाह बहुत पहले ही कर भी चुका है। लेकिन परिस्थितिजन्य विवाह। विवाह के नाम पर मानवता की रक्षा में किया गया समझौता मात्र। अभी भी इस विषय पर आगे बहुत कुछ लिखना बाकी है क्या हुआ? कैसे हुआ वरण? और वरण हुआ तो अब वरण के बाद क्या होगा?

नागराज और ध्रुव को नई पॉवर्स नहीं दी गई। बस उनकी पॉवर्स को भविष्य के साथ एडवांस किया गया है। बाबा गोरखनाथ का साथ आपको जरूर अच्छा लगेगा। हालांकि वरण काण्ड में उनका रोल अभी उतना रोचक नहीं है, लेकिन आगे वो भी अपने कारनामे दिखाएंगे। आशा है आपको वरण काण्ड की प्रेसेंटेशन अच्छी लगी होगी। इस पर राज कॉमिक्स की टीम ने बहुत मेहनत की है। नागायण की प्रस्तुति में हमने शुरू से अंत तक हर चीज को नए ढंग से संवारने की कोशिश की है। शुरू के चार पेजिस ललित ने बनाए हैं। आगे भी हमारी कोशिशें जारी रहेंगी।

वरण काण्ड का प्रिव्यू इस बार नए स्टाइल का बनाया गया है। आशा है आपको पसंद आया होगा। जो राज कॉमिक्स पाठक अभी तक राज कॉमिक्स की वेबसाइट www.rajcomics.com पर नहीं गए हैं उन्हें बता दूं कि राज कॉमिक्स वेबसाइट पर नागराज, ध्रुव व डोगा की कॉमिकों के प्रिव्यूस कॉमिक बाजार में आने से पहले लगा दिए जाते हैं और यह प्रिव्यूस बहुत रोचक होते हैं। साइट पर आप छः प्रिव्यूस देख सकते हैं। फुंकार, डोगा का एनकांउटर, डोगा हरण, सर्वनाश, डोगा तेरे कारण, और वरण काण्ड। इसके अलावा आप साइट पर फ्री कॉमिक डाउनलोड कर सकते हैं। नई कॉमिक्स के विज्ञापन, कर्वस व ग्रीन पेजिस देख व पढ़ सकते हैं। वेबसाइट पर फोरम में आप अपने सुझाव व शिकायतें लिख सकते हैं। मेम्बर्स की लिखी कहानियां पढ़ सकते हैं आप अपनी कहानियां भी वहां लिख सकते हैं। मेम्बर्स के बनाए हुए चित्र देख सकते हैं। अपने बनाए हुए चित्र भी वहां पोस्ट कर सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सी चीजें

हैं आज राज कॉमिक्स वेबसाइट पर। आप वेबसाइट पर जल्दी जाएं व मेम्बर भी बने जो कि बिल्कुल मुफ्त है।

द्वितीय खण्ड ग्रहण काण्ड एक लाजवाब कथा है इसके बारे में बस इतना कहूंगा कि आप झूम उठेंगे। ग्रहण काण्ड अनुपम जी ने व जॉली जी ने पूरी बना दी है। नागराज और ध्रुव की अब तक की बेस्ट कॉमिक बनी है। हम पूरी कोशिश करेंगे कि यह आप तक वरण काण्ड से भी सुन्दर बन कर पहुंचे और हां जल्दी भी। अब हमारी आगामी कोशिश यही रहेगी कि आपके प्रिय पात्र नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव की कॉमिकें हर महीने आएं हम इसके लिए तैयार हो चुके हैं। अब आप भी तैयार हो जाएं अपने प्रिय सुपर हीरोज के हर महीने नए कारनामों के लिए। सुपर कमाण्डों ध्रुव की आगामी कॉमिक सीरीज आ रही है मकड़जाल जिसका की पहला कॉमिक होगा स्पाइडर जो कि बनना शुरू हो चुका है ग्रहण काण्ड के बाद बहुत जल्दी ही स्पाइडर भी आपके हाथों में होगा और इसके बाद जुलाई में प्रकाशित हो जाएगा नागायण का तृतिय खण्ड हरण काण्ड।

हमेशा की तरह अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवगत कराते रहें। आपकी शिकायतों पर पूरा ध्यान दिया जाएगा व आपके सुझावों का स्वागत किया जाएगा। इसी तरह अपने सुझाव एवं प्रतिक्रियाएं हमें भेजते रहें। आपके सुझाव ही हमारे मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं।

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें: **ग्रीन पेज नं. 245 राजा पॉकेट बुक्स 330/1 बुराड़ी, दिल्ली-84**

Forum पर अपनी पोस्ट आप **www.rajcomics.com** पर करें।

आपका–संजय गुप्ता